सोमवार
20 मार्च, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

विभीषणों पर नकेल कसने की तैयारी में जुटा शिक्षा विभाग, किये जा रहे चिह्नित 3

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

यूपी में बिजली कर्मियों की हड़ताल खत्म, बहाल होंगे बर्खास्त कर्मचारी

एजेंसी/लखनऊ

ऊर्जा मंत्री व कर्मचारी नेताओं की बैठक में बनी सहमति

यूपी में बिजली कर्मियों की हड़ताल खत्म हो गई है। 65 घंटे चली हड़ताल से यूपी की जनता परेशान थी। रविवार दोपहर को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और बिजली कर्मचारी नेताओं के बीच तीसरे राउंड की बैठक में बात बनी। इसके बाद बिजली कर्मचारी संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने हड़ताल खत्म होने का ऐलान किया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री भी मौजूद रहे। शैलेंद्र दुबे ने कहा कि सरकार ने जिन 3000 बिजली कर्मचारियों को नौकरी से बाहर किया है। उनको वापस लिया जाएगा। इसके अलावा, 22 लोगों पर एस्मा लगाया था, 29 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। इसे भी सरकार वापस लेगी। यह हड़ताल ऊर्जा मंत्री के आश्वासन और हाईकोर्ट के सम्मान में वापस हुई है। उन्होंने कर्मचारियों से तत्काल काम पर वापस लौटने की बात कही। हालांकि, एक बार फिर से कर्मचारियों को कहीं भी कोई लिखित आश्वासन नहीं मिला है।

करीब 20 मिनट तक चली, तीसरे राउंड की बैठक : तीसरे राउंड की बैठक दोपहर दो बजे हुई थी। ये बैठक करीब 20 मिनट तक चली। जिसमें ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज और बिजली कर्मचारी संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बातचीत में मंत्री और कर्मचारियों नेताओं के बीच सहमति बनी। जिसके बाद मीडिया को बुलाया गया। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मीडिया से कहा कि विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति ने हड़ताल वापस ले ली है। इस दौरान सरकार की तरफ से जितनी भी दंडात्मक कार्रवाई की गई है। उसे वापस लिया जाएगा। संविदा कर्मचारियों की बर्खास्तगी नहीं होगी। जिन 22 कर्मचारी नेताओं पर एस्मा लगाया गया था। उसका भी हटाया जाएगा। इसके अलावा कर्मचारियों के खिलाफ जो 29 मुकदमे दर्ज कराए गए थे। सरकार उसको भी वापस लेगी। कर्मचारियों की मांगों पर जल्द ही वार्ता कर उसका निस्तारण किया जाएगा।

दूसरे राउंड की बैठक में नहीं पहुंचे थे ऊर्जा मंत्री : रविवार सुबह 11 बजे दूसरे राउंड की वार्ता के लिए कर्मचारी नेता बैठक में पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक मंत्री का इंतजार किया। मगर, ऊर्जा मंत्री नहीं आए। इसके बाद संघर्ष समिति के नेता चले गए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के शैलेंद्र दुबे ने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने रविवार को बातचीत के लिए बुलाया था। इसलिए, हम लोग आए थे। लेकिन, मंत्री नहीं आए। इससे पहले, शनिवार रात ऊर्जा मंत्री और विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बीच 3 घंटे की पहली मैराथन बैठक हुई। मगर, इसमें कोई नतीजा नहीं निकला। बिजली कटौती से प्रदेश में करीब 50 लाख उपभोक्ता परेशान हैं।

बीती रात आंदोलन वापस लेने पर बन गई थी सहमति : शनिवार रात की बैठक में ही आंदोलन वापस लेने पर सहमति बन गई थी। इसमें यह तय हुआ कि जितने लोगों को निकाला गया है, उन सब को वापस कर लिया जाए। 29 लोगों पर जो एफआईआर दर्ज है उसे हटाया जाए। 22 कर्मचारी नेताओं पर जो एस्मा लगा है उसको वापस लिया जाए। ऊर्जा मंत्री इस पर सहमत थे, लेकिन वह लिखित में नहीं देने की बात कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री का कहना था कि आप हड़ताल वापस लीजिए और हम मीडिया में बयान दे देंगे कि अब तक हुई सारी कार्रवाई वापस ले ली गई है। इस पर कर्मचारी नेताओं ने हड़ताल वापस लेने से मना कर दिया। उनका कहना था कि वह लिखित समझौते के बिना हड़ताल वापस नहीं लेंगे।

तेजस्वी ने दिल्ली में 150 करोड़ का मकान चार लाख में कैसे लिया: सुमो

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने एक बार फिर तेजस्वी यादव समेत लालू परिवार के खिलाफ एलान-ए-जंग करते हुए लगातार दूसरे दिन प्रेस कांफ्रेंस किया। इस बार उन्होंने दूसरे फ्लैट का डिटेल दिया।

उन्होंने कहा कि चार लाख रुपये में दिल्ली में 150 करोड़ का बंगला खरीदना सिर्फ लालू परिवार के उसी लाल के लिए संभव है, जिसके पास न पैतृक संपत्ति हो और न रोजगार से कमाने का कोई साधन। चार लाख में 150 करोड़ की संपत्ति खरीदना चमत्कार है और यह चमत्कार भ्रष्टाचार का कोरा प्रमाण है। सुशील मोदी ने कहा कि तेजस्वी यादव 750 करोड़ के आईआरसीटीसी घोटाले में चार्जशीटेड और जमानत पर रहे व्यक्ति को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। 29 साल की उम्र में 52 से ज्यादा अवैध संपत्तियों के मालिक बने तेजस्वी यादव को सीबीआई ने 25 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है और वह विधानमंडल सत्र का हवाला देकर पूछताछ से बचना चाह रहे हैं। भ्रष्टाचार के ऐसे आरोपी व्यक्ति को डिप्टी सीएम कैसे बनाए रखा जा सकता है? उन्होंने कहा कि कल हमने जिस मकान का जिक्र किया था, उस मकान में दो कंपनियों का मुख्यालय है।

खबरें फटाफट

सारण में पुल ट्रक समेत जमींदोज

छपरा। जिले के तरैया थाना क्षेत्र के भलुआ में ब्रिटिशकालीन पुल शनिवार को एक गिट्टी लदे ट्रक के साथ जमींदोज हो गया। हालांकि चालक व उपचालक की जान बच गई। पुल गिरने से चंचलिया पंचायत के कई गावों का संपर्क तरैया प्रखंड मुख्यालय, थाना और अंचल से कट गया है। ब्रिटिश काल के लोहे का पुल काफी जर्जर हो चुका था। इसके जीर्णोद्धार की मांग काफी समय से उठ रही थी, लेकिन कोई काम नहीं किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुल से ट्रक का अगला हिस्सा पार कर गया था, कि तेज आवाज आई। जबतक लोग संभले पुल एक छोर से ट्रक समेत गिर गया। फिर दोनों ओर के पहुंच पथ को छोड़ बाकी का हिस्सा पूरी तरह से नीचे गिर गया।

सांसद ने बच्चों को बांटे हेलमेट

पटना। अंतरराष्ट्रीय हेड इंजरी दिवस के अवसर पर आज सेंट जोसेफ स्कूल चर्च रोड वार्ड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रुप से जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुंगेर के सांसद ललन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने हेड इंजरी के प्रति जागरूकता हेतु 5000 बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच विश्व मानक का निःशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम का आयोजन करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सह जदयू के वरिष्ठ नेता बी के सिंह द्वारा किया गया। मौके पर पटना डीएम, रूरल एसपी, एसपी ट्रैफिक समेत कई अधिकारी रहे।

24 मार्च को कार्यक्रम: 18 अरब की योजनाएं शुरू करेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

काशी में रोप-वे व इंटरनेशनल स्टेडियम का होगा शिलान्यास

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मार्च को काशी आएंगे। यहां 18 अरब के प्रोजेक्ट्स की शुरूआत करेंगे। वह अपने संसदीय क्षेत्र में 5 घंटे गुजारेंगे। इस दौरान पीएम इंटरनेशनल स्टेडियम, एटीसी टॉवर और रोपवे समेत करीब 29 डेवलपमेंट्स प्रोजेक्ट्स का लोकापर्ण और शिलान्यास करेंगे।

पीएम 24 मार्च को सुबह 10 बजे बाबतपुर के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह सीएम योगी के साथ हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन आएंगे। यहां से रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर जाएंगे, जहां पर स्वास्थ्य मंत्रालय की कॉन्फ्रेंस में शिरकत करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। फिर जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद खेलो बनारस के विजेताओं का सम्मान करेंगे। वाराणसी प्रशासन इसकी तैयारियों में लगा है। सीएम योगी ने भी शुक्रवार को अफसरों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया था।

एडवांस तकनीक से लैस है एटीसी टॉवर : बाबतपुर एयरपोर्ट पर एटीसी टॉवर लगाया गया है। इससे बड़े विमानों की लैंडिंग भी बनारस में कराई जा सकती है। साथ ही 500 किलोमीटर की रेंज में आए विमानों की कंट्रोलिंग की जा सकती है। इस प्रोजेक्ट की लागत 29 करोड़ 23 लाख रुपए है। एटीसी टॉवर की ऊंचाई 32 मीटर है। यह 45 हजार वर्गमीटर में फैला है। एटीसी टॉवर एयर ट्रैफिक को कंट्रोलिंग के लिए कई एडवांस तकनीक से लैस है। वहीं, अभी तक पुराना एटीसी टॉवर काम कर रहा था। इससे निष्क्रिय नहीं किया जाएगा, बल्कि इमरजेंसी के लिए रखा जाएगा।

ट्रेन से उतरकर रोपवे से 15 मिनट में पहुंचेंगे दशाश्वमेध रोड : शिलान्यास में सबसे बड़ा और बहु प्रतीक्षित प्रोजेक्ट है रोपवे। इसके लिए सरकार ने 644 करोड़ 49 लाख रुपए दिए हैं। रोप-वे बनने के बाद कैंट से गोदौलिया (करीब 4 किलोमीटर) तक का सफर महज 15 मिनट में पूरा होगा। यानी कि ट्रेन से उतरते ही रोपवे मिलेगी और महज 15 मिनट पर में आप गौदोलिया स्थित दशाश्वमेध घाट के पास पहुंच जाएंगे। इस समय ट्रैफिक की वजह से ऑटो से यह सफर करीब 45 मिनट में पूरा होता है। कैंट से गोदौलिया की सड़क मार्ग की दूरी 5 किलोमीटर है। इस हिसाब 1.2 किलोमीटर की दूरी भी कम होगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का करेंगे शिलान्यास : पीएम मोदी रोहनिया के गंजारी गांव में 32 एक-ड़ में इंटरनेशल क्रिकेट स्टेडियम का भी शिलान्यास करेंगे। इसके लिए वाराणसी जिला प्रशासन ने 121 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया है। कुल 30 हजार दर्शकों का सीटिंग अरेंजमेंट होगा। इसकी लागत करीब 400 करोड़ रुपए आएगी। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव जय शाह ने मंगलवार को गंजारी गांव का दौरा किया था और इस पर मुहर लगाई थी।

इन योजनाओं का लोकार्पण करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

- पीएम ग्रामीण पेयजल स्कीम को भी लॉन्च करेंगे। इसमें 46.49 करोड़ का खर्च आया है
- 19 करोड़ 49 लाख से बने पेयजल आपूर्ति ट्रांस वरुणा प्रोजेक्ट
- 17 करोड़ 24 लाख रुपए से तैयार भेलूपुर पेयजल स्टेशन परिसर में मेगावाट सोलर प्लांट
- 15 करोड़ 78 लाख की लागत से बना करखियांव पैक हाउस
- 6.73 करोड़ से निर्मित सारनाथ सीएससी, सर्किट हाउस में 9 करोड़ से तैयार 6 पीसी सुइट
- 5 करोड़ 89 लाख से तैयार कोनिया पंपिंग सब स्टेशन पर सोलर पावर प्लांट
- 4 करोड़ 4 लाख से तैयार चांदपुर इंडस्ट्रियल स्टेट इंटरलॉकिंग
- 308 करोड़ से नमामि गंगे द्वारा प्रस्तावित भगवानपुर एसटीपी
- सेवापुरी एचपीसीएल बॉटलिंग प्लांट
- आईआईटी-बीएचयू में सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑफ मशीन टूल्स एंड डिजाइन की स्थापना
- साढ़े 3 करोड़ से एलईडी बैक किट यूनिपोल
- 2.16 करोड़ से भरथरा पीएचसी
- 99 लाख रुपए फ्लोटिंग जेटी-वेंजिग रूम

बिहटा से अगवा छात्र की मिली अधजली लाश

अपहरण के डेढ़ घंटे बाद ही की गई थी हत्या

केटी न्यूज/पटना

- अपहरण के बाद परिजनों के पास कॉल कर मांगी गई थी 40 लाख की फिरौती

बिहटा से गुरुवार को अपहृत छठी के छात्र तुषार को अपहर्ता ने उसी शाम मारकर जला डाला था। शनिवार को बिहटा में ईएसआईसी अस्पताल के पीछे अधजली लाश बरामद हुई थी। अब खुलासा हुआ है कि लाश उसी की थी।

पुलिस ने इस मामले में साजिशकर्ता, अपहर्ता और हत्यारा को गिरफ्तार किया है। अपहरण के बाद से पुलिस इस एंगल पर ज्यादा विश्वास कर रही थी कि छात्र का मोबाइल ज्ञान अच्छा था और उसने खुद अपहरण का ड्रामा रचा हो। 12 साल के तुषार के अपहरण के बाद परिजनों के पास कॉल कर 40 लाख की फिरौती मांगी गई थी। धमकी दी गई थी कि अगर पुलिस के पास गए तो बच्चे को मार डालूंगा। अपराधियों ने वॉयस मैसेज भेजा था, जिसके बारे में पुलिस यह भी अंदेशा जता रही थी कि किसी एप के जरिए तुषार और उसके साथियों ने आवाज बदलकर यह सब किया हो।

अपहरण के तुरंत बाद मार डाला : बिहटा प्रखंड के श्रीरामपुर निवासी शिक्षक राज किशोर पंडित का इकलौता बेटा तुषार कुमार गुरुवार की शाम 6 बजे घर से बाहर निकला था।

बिहटा के जिस विवेकानंद कोचिंग में उसने दो साल पढ़ाई की थी, उसी के मुकेश कुमार ने तुषार को व्हाट्सएप कॉल कर बुलाया था। बुलाने के बाद उसे मुकेश ने अगवा कर लिया और डेढ़ घंटे के अंदर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद तुषार के मोबाइल से ही वॉइस मैसेज के जरिए 40 लाख रुपये की मांग की जा रही थी। पुलिस ने सिर्फ मुकेश को पेश किया, हालांकि बिहटा में उसके साथ और चार लोगों के शामिल होने की जानकारी मिल रही थी।

देश की राजधानी में किसान आंदोलन-2 की घोषणा, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

किसानों की महापंचायत आज, कई मार्ग रहेंगे बंद

एजेंसी/नई दिल्ली

किसान हित और खेती को बचाने के लिए लंबित मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान आंदोलन-2 की घोषणा की है। इसके तहत रामलीला मैदान में सोमवार को किसानों की महापंचायत होगी। इसमें देश के राज्यों के किसान अपनी मांगों को केंद्र समक्ष रखते हुए समस्याओं के समाधान की मांग सरकार के समक्ष रखेंगे। किसान नेताओं ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गईं तो 2024 के चुनाव में सभी पार्टियों को किसानों के रोष का असर दिखेगा। साथ ही कहा कि किसानों को अगर महापंचायत में जाने से पुलिस ने रोका तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

प्रेस क्लब में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए एसकेएम के नेताओं ने केंद्र सरकार पपर कॉरपोरेट के साथ मिलकर विकास पर जोर देने की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे कृषि आय में कमी हो रही है जबकि कॉरपोरेट घराने अपने फायदे के लिए खेत, वन और प्राकृतिक संसाधनों को छीनने की तरफ अग्रसर है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोमवार को महापंचायत में किसान, आदिवासी किसान, महिला किसान, खेत मजदूर और प्रवासी मजदूर, ग्रामीण श्रमिक, बेरोजगारी और बढ़ते व्यय और कम हो रही क्रय शक्ति पर इन नीतियों के प्रभाव के बारे में विस्तार से अपनी बात रखेंगे। केंद्र सरकार से संयुक्त किसान मोर्चा को 9 दिसंबर, 2021 को दिए गए लिखित आश्वासनों को पूरा करने और किसानों के समक्ष बढ़ते संकट के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की महापंचायत में किसान नेता मांग करेंगे।

कई मार्ग किए जाएंगे बंद, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : रामलीला मैदान में सोमवार होने जा रही किसान महापंचायत के चलते नई दिल्ली, दक्षिण दिल्ली व पुरानी दिल्ली में जाम लग सकता है। रैली में 15 से 20 हजार किसानों के आने की संभावना है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस रणजीत सिंह फ्लाईओवर, रामलीला मैदान के पास स्थित मार्ग और दिल्ली गेट से अजमेरी गेट चौक तक जेएलएन मार्ग से बचने की सलाह दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसानों की संख्या को देखते हुए ट्रैफिक परिवर्तित किया जा सकता है और कई मार्ग बंद किए जा सकते हैं।

खबरें फटाफट

नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन

जहानाबाद। जिले के सुमेरा के ऐतिहासिक मैदान में नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी कुमार पिंटू, धीरज शर्मा क्रांतिकारी ने फीता काटकर मैच का विधिवत उद्घाटन किया। साथ में उपमुखिया नूतन देवी, मोना बाबू, लड्डू बाबू उपस्थित थे। पहला मैच ढोंढरा और जहानाबाद के बीच खेला गया। जिसमें जहानाबाद की टीम को हार का सामना करना पड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता धीरज शर्मा क्रांतिकारी ने खिलाड़ी को बताया कि खेल को खेल के भावना से खेले और अनुशासन के साथ खेले और सुमेरा गांव के आयोजनकर्ता को धन्यवाद दिया।

सम्राट अशोक भाजपा के आदर्श : सम्राट चौधरी

सासाराम। रोहतास जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले सम्राट अशोक जयंती की तैयारी को लेकर विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी शनिवार को सासाराम पहुंचे। देश के गृहमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का दौरा करने के बाद उन्होंने शनिवार शाम प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक भाजपा के आदर्श हैं। जैसे सम्राट अशोक ने अखण्ड भारत का निर्माण किया था, उसी तरह से पीएम नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर अखण्ड भारत का निर्माण किया है। बताया कि मोदी जी ने 2016 में सम्राट अशोक के नाम पर टिकट जारी किया था। मोदी जी एवं अमित शाह पूरी तरह से सम्राट अशोक के विचारधारा के साथ खड़े है। पार्टी द्वारा प्रत्येक वर्ष सम्राट अशोक की जयंती पटना में आयोजित की जाती थी, लेकिन इस साल सम्राट अशोक की जयंती समारोह पार्टी द्वारा आगामी दो अप्रैल को आयोजित की जाएगी। जिसमें देश के गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रेसवार्ता में सासाराम के सांसद छेदी पासवान, भाजपा विधायक एवं जन प्रतिनिधि शामिल थे।

कृमि के कारण बच्चों और किशोरों को रहता है कुपोषित होने का खतराः डीआईओ

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के तहत 20 मार्च को चलाया जायेगा मॉपअप राउंड
- डीआईओ ने की छूटे हुए बच्चों के अभिभावकों से अनिवार्य रूप से अल्बेंडाजोल खिलाने की अपील

केटी न्यूज/बक्सर

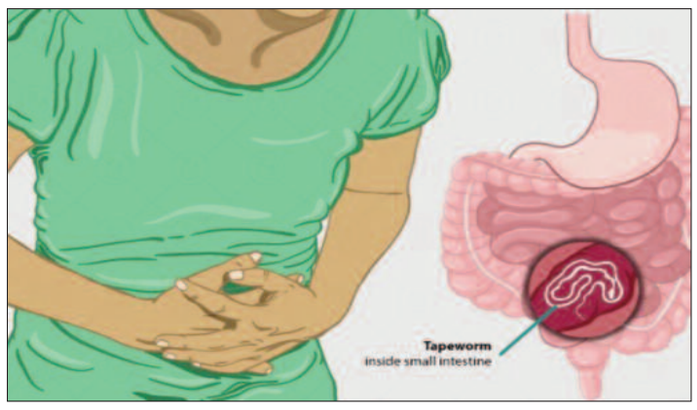

जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत 1 से 19 साल तक के बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गयी। वहीं, इस अभियान में छूटे हुए बच्चों को दवा खिलाने के लिए 20 मार्च को मॉप अप राउंड चलाया जाएगा। ताकि, जिले का कोई भी बच्चा दवा खाने से वंचित न रहे। इस संबंध में सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है। साथ ही, कार्यक्रम के तहत आईसीडीएस से भी समन्वय स्थापित कर एक से पांच साल तक के बच्चों को दवा लिखाई जाएगी।

बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाने के लिए सभी संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों और सेविकाओं को प्रशिक्षण भी दिया गया है। एक से दो साल तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली पीसकर पानी के साथ देनी है। वहीं दो साल से 19 साल तक के सभी बच्चों को पूरी गोली चबाकर पानी के साथ खिलानी है। हालांकि, इस बीच यह ध्यान रखा जाए कि बच्चा खाली पेट न हो। टेबलेट लेने से पहले उसने खाना खाया हो।

कृमि मुक्ति के लिए दी जाने वाली दवा सुरक्षित : जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राज किशोर सिंह ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में कृमि मुक्ति कार्यक्रम को लेकर अभी भ्रांतियां व्याप्त है। अभिभावकों में डर रहता है कि कृमि मुक्ति की दवा खाने से कहीं उनका बच्चा बीमार न हो जाए। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं है। कृमि मुक्ति के लिए दी जाने वाली दवा सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि पहले कृमि से प्रभावित बच्चे पेट दर्द व इससे संबंधित बीमारियों से अधिक परेशान रहते हैं और उनकी पढाई इससे प्रभावित होती है। कृमि संक्रमण के कारण बच्चे का विकास प्रभावित होता है और वह कुपोषण का शिकार हो सकता है।

कृमि के कारण भी हो सकती है एनीमिया की शिकायत : जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया, ग्रामीण इलाकों में बच्चों के साथ सभी उम्र के लोग कृमि से ग्रसित हो सकते हैं। क्योंकि यहां की मिट्टी, पानी व वातावरण के कारण बच्चे और बड़े दोनों में हुकवर्म, टैप वर्म व अन्य प्रकार के कृमि से ग्रसित हो सकते हैं। दूसरी ओर, कृमि के कारण बच्चे और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की भी शिकायत होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ग्रामीण इलाकों में बच्चों के अलावा अन्य लोग गौशाला सहित चापाकल के, शौचालय व अन्य गंदी जगहों पर नंगे पांव जाते हैं। जिसके कारण हुक वर्म और राउंड वर्म जैसे कृमि शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। यह कृमि रक्त कोशिकाओं को अपना भोजन बनाते हैं। जो एनीमिया का कारण बनता है। इसलिए सरकार कृमि मृक्ति अभियान चलाती है।

शनिवार की शाम जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बिशनपुरा गांव के समीप हुई दुघर्टना

कार बाइक की टक्कर में जिलास्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी रमेश की दर्दनाक मौत

- बेटे के छठिहार का कार्ड देकर ससुराल से घर लौटते समय कार ने रौंदा

केटी न्यूज/आरा

शनिवार की देर शाम सड़क हादसे में जिलास्तरीय किक्रेट खिलाड़ी की मौत हो गई। दुघर्टना बक्सर-पटना फोरलेन पर गजराजगंज ओपी क्षेत्र के विशुनपुरा गांव के समीप हुई। जहां तेज रफ्तार कार के द्वारा बाइक को मार दी। जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन आनन-फानन में इलाज के लिए आरा लेकर आए। जहां से पटना रेफर कर दिया गया। परन्तु अस्पताल पहुंचने के पहले ही युवक की रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के महावीर टोला वार्ड नंबर 20 निवासी अरविंद कुमार उर्फ रमेश कुमार उम्र 32 पिता राजेंद्र यादव के रूप में हुई। परजिनों के अनुसार क्रिकेटर के अलावे ईंट-भट्ठा संचालक है। दुघर्टना के बाद कार चालक वाहन छोडकर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार बताया कि कुछ दिन पूर्व ही रमेश को बेटा हुआ था। दो दिन बाद उसका छठीहार होना था। उसी का कार्ड देने वह शनिवार को अपने ससुराल गया था। देर शाम बाइक से घर लौट रहा था उसी दौरान यह दुघर्टना हुई। प्रत्यक्षदशीयों के अनुसार टक्कर इतना जोरदार था कि बाइक कुछ दूर तक घसीटाता हुआ गया। जिसमें वह गंभीर रूप से चोटिल हो गया। उसके बाद गश्ती पर निकली पुलिस द्वारा इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया था। सूचना मिलने पर टाउन थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। इधर, हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

घरेलू विवाद में युवक ने लगाई फांसी, पंखे से लटका मिला शव

केटी न्यूज/आरा

शनिवार की रात घरेलु विवाद से तंग आकर युवक ने आत्महत्या कर ली। रविवार की सुबह शव को घर में पंखे से लटकता मिला। जिसे देखकर घर में कोहराम मच गया। घटना भोजपुर जिले में बिहिया थाना क्षेत्र के खरौनी गांव में हुई। मृत की पहचान खरौनी गांव निवासी रिपु यादव उम्र 35 पिता भगेलु यादव के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जिसके बाद परिजनों को दाहसंस्कार के लिए सौंप दिया गया। मृतक रिपु साले निर्भय यादव ने बताया कि बंटवारे को लेकर अपने माता-पिता से कुछ महिनों से विवाद चला आ रहा है। जिसके कारण तनाव में शनिवार की शाम वह नशे में अपने घर आए। उसी वक्त मेरे दीदी द्वारा जीजा को गुस्से में कुछ बोल दी। उसके बाद वे अपनी मां के पास चले गए। वहीं दीदी भांजे को लेकर सोने के लिए चली गई। वहीं जीजा रिपू यादव दूसरे कमरे में गया। उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर पंखे के कुंडे से लटक कर खुदकुशी कर ली। रविवार की सुबह उसकी पत्नी जगी और उस कमरे का दरवाजा बंद देखा। जब उसने झांक कर कमरे में देखा, तो वह पंखे के कुंडी लटक रहा था। उस पर उसने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुन परिजन और आसपास के लोग पहुंचे। दरवाजे को तोड़ उसके शव को नीचे उतारा गया। उसके बाद परिजनों की ओर से स्थानीय थाने को सूचना दी गयी। हालांकि खुदकुशी करने का कारण फिलहाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। पलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। उसके परिवार में मां कमलावती देवी, पत्नी दीपावली देवी और पुत्र अनुराग कुमार है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

एक नजर

94वें रविवासरीय साप्ताहिक पौधरोपण कार्यक्रम के तहत एनएच के पेडियन में लगाए पौधे

जहानाबाद। गायत्री परिवार ने रविवार को एनएच-83 के पेडियन में 25 पौधे लगाए। साथ ही, आसपास के ग्रामीणों को भी किया जागरूक, ताकि पौधों को पानी और सुरक्षा मिलती रहे। बताया जाता है कि अखिल विश्व गायत्री परिवार की युवा इकाई प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ जहानाबाद के द्वारा लगातार 94वें रविवासरीय साप्ताहिक पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन मई हाल्ट के पास फोर लेन के पेडियन में संपन्न हुआ। लगाए गए सभी पौधों को गायत्री मंत्र के साथ रोपण किया गया। प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रंगेश कुमार ने बताया कि साथ में जुड़े सभी लोग कहीं-न-कहीं कार्यरत हैं। ऐसे में प्रत्येक रविवार को सभी मिलकर पौधरोपण का कार्य करते हैं। जिससे जिला हरा-भरा रहे। उन्होंने बताया कि जहानाबाद जिला का एयर क्वालिटी इंडेक्स दो सौ के ऊपर पहुंच गया है। जबकि ये इंडेक्स पचास से नीचे रहना चाहिए। 200 से नीचे एयर क्वालिटी पेंड़-पौधे ही कर सकते हैं। साथ-ही, गर्मी के मौसम में बढ़ते पारे को वृक्ष ही कंट्रोल कर सकते हैं। गायत्री परिवार द्वारा एक लाख वृक्ष लगाने की योजना है और हमलोग करीब बीस हजार पौधों का रोपण कर चुके हैं, वृक्षारोपण का कार्य आगे भी अनवरत जारी रहेगा। इसके अलावा पूर्व में लगाये गये पौधों की सिंचाई और देख-रेख भी करते रहते हैं। ताकि पौधे हरा-भरा रहे। लगाए हुए पौधों को पल्लवित होते देख आत्मिक संतुष्टि और ऊर्जा का संचार पैदा करता है। उन्होंने जहानाबाद वासियों से अपील कि आइये और इस पावन कार्य से जुड़िये। इस कार्य में कौशल कुमार, रंगनाथ शर्मा, शुभम राज, मंटू कुमार, सोनू,उमेश सिंह सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

नगर प्रशासन की कथनी और करनी में फर्क नजर आता है : अरविंद कुमार चोपड़ा

जहानाबाद। नेशनल एसोसिएट्स ऑफ स्ट्रीट वेंडर (एनएएसवीआई) के द्वारा शहरी फुटपाथ दुकानदार संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार चोपड़ा एवं सचिव मोहम्मद शहजाद राजा बाजार मार्केट कमेटी के अध्यक्ष सूरज साव के साथ नगर प्रशासन के द्वारा फुटपाथ दुकानदारों रोजगार करने के लिए व्यवस्थित स्थल को देखा। जिसके उपरांत उन्होंने कहा कि नगर प्रशासन के कथनी और करनी में फर्क नजर आता है। चुकी लंबे अरसे से फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित करने के नाम पर सिर्फ और सिर्फ हवा हवाई काम नगर प्रशासन के द्वारा किया जा रहा है। वहीं सिर्फ और सिर्फ नंबरी सिस्टम करके नगर प्रशासन कुंभकरण की नींद में सो चुकी है। ना तो अभी तक सेट की तैयारी की गई और ना ही बांस बल्लों से उसके व्यवस्थित किया गया है। नगर प्रशासन को चाहिए की स्थाई वेंडिंग जोन की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि धूप पानी एवं आंधी से बचाव हो सके परंतु नगर प्रशासन सिर्फ और सिर्फ फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित करने के नाम पर अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रही है। नगर परिषद को चाहिए किसको ठीक ढंग से व्यवस्थित करे। इन सब बातों को लेकर जिला प्रशासन से मिलकर अपनी बातों को रखेंगे।

चुनाव में ऐतिहासिक होगी स्नातक व शिक्षक प्रत्याशियों की जीत : महागठबंधन

जहानाबाद। स्नातक व शिक्षक चुनाव को लेकर रविवार को शहर स्थित राजगृह होटल में महागठबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद चन्देष्वर प्रसाद चन्द्रवंशी, स्नातक प्रत्याशी पुनीत सिंह, जहानाबाद विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, घोसी विधायक रामबली सिंह यादव, मखदुमपुर विधायक सतीश दास, पूर्व विधायक डॉ. सच्चितानंद यादव, सूबेदार दास, जिप सदस्य आभा रानी सहित बड़ी संख्या में महागठबंधन के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से गया स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की चर्चा की गई। सभी लोगों ने एक स्वर में महागठबंधन के स्नातक प्रत्याशी पुनीत सिंह एवं शिक्षक प्रत्याशी संजीव श्याम सिंह को ऐतिहासिक जीत दिलाने की बात कही। वहीं स्नातक प्रत्याशी पुनीत सिंह ने क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा कि जीत के बाद महागठबंधन के सभी कार्यकताओं का मान सम्मान का ख्याल रखते हुए क्षेत्र का विकास तेजी से करूंगा। वहीं सांसद एवं विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विकास कार्यो के आधार पर महागठबंधन के प्रत्याशियों की बड़ी जीत होगी। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर आगामी 31 मार्च को एक-एक मत महागठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में देने एवं दिलाने की अपील किया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, जदयू जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, जयप्रकाश चन्द्रवंशी, राजीव नयन, मनोरमा देवी, दिलीप कुशवाहा, भाकपा माले के कॉ प्रभात कुमार, श्रीनिवास शर्मा, दिनेश दास, विनोद कुमार भारती, सत्येन्द्र रविदास, राजद के परमहंस राय, अशोक वर्मा, सूर्यदेव यादव, नागेन्द्र मेहता, नन्द किशोर प्रसाद, रामबाबू पासवान, अनिल वर्मा व अन्य मौजूद रहे।

उदवंतनगर में ससुराल आये युवक की डूबने से मौत

केटी न्यूज/आरा

- शौच के लिए जाने दौरान आहर में गिरा और चली गयी जान

भोजपुर के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव में आहर में डूबने से ससुराल आये एक युवक की मौत हो गई। मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कुसुम्हा गांव निवासी शिवचंद्र राम का पुत्र जीतेंद्र राम उर्फ लुल्हा था। उसके भाई धर्मेंद्र राम ने बताया कि जीतेंद्र अपने पूरे परिवार के साथ 17 मार्च को अपने ससुराल सरथुआ गांव गया था।

रविवार की सुबह वह शौच करने के लिए गांव में आहर के पास गया था। उसी दौरान वह आहर में गिर गया। उससे उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद गांव के ही कुछ लोग शौच करने के लिए गए, तो देखा कि उसका शव आहर में पड़ा है। ग्रामीणों की सूचना पर उसके ससुराल के लोग पघटनास्थल पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकाला। बताया जाता है कि युवक अपने चार भाई व दो बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में पत्नी अनीशा देवी, पुत्र खेसारी और पांच माह की पुत्री छोटी है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच है। घटना के बाद पत्नी अनीशा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में दहेज के लिए गर्भवती की मारपीट करने के बाद गला दबाकर हत्या

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के आयर थाना क्षेत्र के बरघरा गांव में शनिवार की रात दहेज के लिए एक गर्भवती महिला की मारपीट करने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृत महिला बरघरा गांव निवासी लल्लू यादव की 20 वर्षीय पत्नी रामावती देवी थी। मायके वालों द्वारा पैसे के विवाद में पति सहित अन्य ससुराल वालों पर हत्या किये थाने का आरोप लगा रहे हैं। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष मनोज पुलिस बल के साथ पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। भाई अरविंद कुमार ने बताया कि उसकी बहन की शादी मई 2019 में बरघारा गांव निवासी लल्लू यादव के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों के बाद से ही उसके पति और अन्य ससुराल द्वारा पैसे की मांग की जा रही थी। उसे लेकर उसे अक्सर प्रताड़ित भी किया जाता था। कुछ दिन पूर्व ही उसने अपनी बहन से मोबाइल पर बात की थी। तब उसने कहा था कि उसके पति पैसे के लिए मारपीट कर रहे हैं। इसी बीच शनिवार की रात उसके पति द्वारा मारपीट करने के बाद दबाकर उसकी हत्या कर दी गयी। ग्रामीणों की ओर से उसकी सूचना दी गयी। उस पर वे लोग उसके ससुराल पहुंचे। तब उसके ससुराल के सभी लोग फरार थे और शव पड़ा था। उसके बाद सूचना स्थानीय थाने को सूचना दी गयी। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि महिला अपने चार भाई और दो बहनों में चौथे स्थान पर थी। वह तीन माह की गर्भवती थी।

20 मार्च से 3 अप्रैल तक जिल में होगा पखवाड़ा का आयोजन, व्यवहार परिवर्तन पर दिया जायेगा बल

आज से पोषण पखवाड़ा का आगाज, गतिविधियों का होगा आयोजन

केटी न्यूज/आरा

जिला में 30 मार्च से पोषण पखवाड़ा की शुरूआत की जाएगी। इस दौरान व्यापक एवं समग्र रूप से व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, किशोरियों एवं 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण स्तर में आपेक्षित सुधार लाने के लिए जन भागीदारी से गतिविधियों का आयोजन कर जन आन्दोलन का रूप देने का प्रयास किया जायेगा। इस सन्दर्भ में कौशल किशोर, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं ने पत्र जारी कर सभी जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं। जारी पत्र में बताया गया है कि इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का लक्ष्य बाजरा के स्वास्थ्य लाभों और कठोर जलवायु में इसके खेती की उपयुक्तता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेर्शानुसार बाजरा को अपनाने एवं लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष 20 मार्च से 3 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है।

आंगनवाड़ी केंद्र एवं परियोजना स्तर पर आयोजित होंगी गतिविधियां : जारी पत्र में निर्देशित है कि सर्वभौमिक तौर पर पोषण के संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए आंगनवाड़ी केंद्र एवं परियोजना स्तर पर तिथिवार गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण रैली, प्रभात फेरी, माता समूह के साथ बैठक, गृह भ्रमण, हैंड वाशिंग, वृद्धि निगरानी, आपदा प्रबंधन, पोषण वाटिका की स्थापना, संध्या बैठक का आयोजन, दिवाल लेखन, किशोरी समूह की बैठक, प्रश्नोतरी, चित्रकारी, निबंध/रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन, योग एवं आयुष गतिविधि, जीविका समूह के साथ बैठक एनीमिया कैंप एवं वीएचएसएनडी स्तर का आयोजन किया जाना है। बिहार दिवस के अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र एवं उसके आसपास के जगहों की सफाई की जानी है।

परियोजना स्तर पर आयोजित होनेवाली गतिविधियां: पखवाड़ा के दौरान परियोजना स्तर पर पोषण रैली, प्रभात फेरी, साईकिल रैली तथा प्रखंड स्तरीय सीएपी बैठक का आयोजन किया जायेगा। पोषण परामर्श केंद्र की स्थापना, स्वस्थ बालक बालिका पारितोष वितरण व बाजरा संबंधित रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिला स्तर पर पखवाड़े के दौरान पोषण रैली, प्रभात फेरी, साईकिल रैली, जागरूकता रथ द्वारा प्रचार-प्रसार, जिला स्तरीय पोषण सेमिनार व कार्यशाला का आयोजन जिला स्तरीय सीएपी बैठक का आयोजन, पोषण मेला, स्वस्थ बालक बालिका पारितोष वितरण एवं बाजरा संबंधित रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। सभी गतिविधियों के अलावा समुदाय रेडियो से जागरूकता, जीविका समूह की बैठक, स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक, नुक्कड़ नाटक, किशोर समूह के साथ बैठक, टीकाकरण आदि गतिविधियों का आयोजन होगा।

खबरें फटाफट

शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

नावानगर। सोनवर्षा ओपी पुलिस ने क्षेत्र अमरपुरी से एक शराब तस्कर, सोनवर्षा बाजार से दो शराबी एवं महुअरी से एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। शराब तस्कर के पास से पुलिस ने 15 लीटर महुआ शराब भी बरामद किया है। जिस रविवार को जेल भेज दिया है। वही सोनवर्षा बाजार से दो शराबी को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट भेजा है। गिरफ्तार तस्कर अमरपुरी निवासी संजय पासी तथा दोनों शराबी भोजपुर जिला चरपोखरी के मनैनी टोला निवासी नंदलाल चौधरी एवं संजय चौधरी है। सोनवर्षा ओपीध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना पर ओपीध्यक्ष ने अपने जवानों के साथ उक्त स्थान पर छापेमारी किया। छापेमारी में तस्कर को 15 लीटर महुआ शराब से भरी गैलेन के साथ पुलिस ने धर दबोचा। वही दो शराबी नशे की हालत में सोनवर्षा बाजार में हंगामा मचा रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को धर दबोचा। वहीं, महुअरी गांव से कोर्ट के वारंटी चुकेश्वर यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

बिजली चोरी के आरोप में 5 पर केस

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के रजडीहा गांव में विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौगाई के कनीय अभियंता शैलेश कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें मीटर बाइपास और टोंका फंसाकर बिजली चोरी करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ डुमरांव थाना में प्राथमिकी दर्ज कर विद्युत ऊर्जा चोरी के दौरान विभाग को हुई राजस्व की क्षति के आरोप में जुमार्ना भी लगाया गया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार रजडीहा गांव के गणेश सिंह पर 11477 रुपये, भुआली यादव पर 6125 रुपये, राजकुमार तिवारी पर 3678 रुपये, हनुमान सिंह पर 7852 रुपये और संतोष तिवारी पर 58027 रुपये का जुमार्ना लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

विभीषणों पर नकेल कसने की तैयारी में जुटा शिक्षा विभाग, किये जा रहे चिह्नित

केटी न्यूज/बक्सर

- दिनदहाड़े डीपीओ के कार्यालय में घुस रंगदारी मांगने व मारपीट पर सख्त हुए आलाधिकारी
- विभीषणों के दम पर ही अधिकारियों पर धौंस जमाते है मॉफिया व दलाल
- दलालों के संपति की जांच ईओयू से कराने की तैयारी कर रहा है विभाग

शिक्षा विभाग में दलालों व मॉफियाओं की पैठ काफी गहरी है। इसी पैठ के आधार पर वे विभाग की गोपनीय जानकारियां हासिल कर शिक्षकों और अधिकारियों पर अपना धौंस जमाते है। दलालों द्वारा शिक्षकों व अधिकारियों से रंगदारी मांगी जाती है। नहीं देने पर उन्हें मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती है। जानकारों का कहना है कि विभाग में सक्रिय दलालों के पास महत्वपूर्ण कागजात, चिट्ठियां व संचिकाओं के संबंध में गहरी जानकारी होती है। जानकार बताते है कि अधिकांश पत्र अधिकारियों से पहले इनतक पहुंच जाता है। इसके बाद ये संबंधित लोगों से मोटी रकम वसूलने के लिए दबाव बनाने लगते है। इस दौरान लोक शिकायत, अधिकारियों का भय आदि से उनका दोहन करते है। विभागीय पैठ व गोपनीय जानकारियों के बदौलत ही अधिकारी इनके खिलाफ मुंह खोलने का साहस नहीं करते है। बल्कि विभाग के विभीषण भी कई बार इनके सहारे अपने पदाधिकारियों की दुखती रग पर हाथ रखते रहे है। लंबे समय से पैठ बनाए दलालों व शिक्षा मॉफियाओं से पूर्व में भी कई पदाधिकारी व शिक्षक त्रस्त हो चुके है। जिस कारण ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है। गुरूवार को स्थापना डीपीओ के कार्यालय में सरेआम घुस अजय सिंह व अरबिंद सिंह ने अपने लोगों के साथ मिल डीपीओ मो शारिक असरफ से खुलेआम रंगदारी मांग व नहीं देने पर उनसे छिनतई व हथियार लहरा जान से मारने की धमकी की घटना इस बात का प्रमाण है कि उनमें विभागीय अधिकारियों का खौंफ नहीं है।

विभीषणों की हो रही है पहचान : विभागीय सूत्रों की मानें तो डीपीओ वाली घटना के बाद आलाधिकारी काफी सख्त हो गए है। वे ऐसे विभीषणों की पहचान कर उनपर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिए है। इसके बाद विभीषणों की पहचान करने में अधिकारी जुट गए है। सूत्रों की मानें तो विभाग में कई ऐसे विभिषण है जो दलालों व मॉफियाओं के साथ ही कुछ मीडियाकर्मियों तक गोपनीय जानकारियां साझा करते है। जिस कारण अधिकारियों की मुश्किलें तक बढ़ जाती है।

एक दशक से धौंस जमा रहे अजय व अरबिंद

विभीषणों के सहारे ही दलालों की चांदी कट रही है। बताया जाता है कि जिस अजय व अरबिंद ने डीपीओ से रंगदारी मांगी है उनका पिछले एक दशक से शिक्षा विभाग में धौंस कायम है। सूत्र बताते है कि तत्कालीन डीईओ ओंकारनाथ सिंह के समय ही विभाग के एक बड़े अधिकारी से संबंधों के आधार पर अजय व अरबिंद ने विभाग में इंट्री मारी थी। जिसके बाद से विभाग में इनकी तूती बोलती है।

ईओयू से जांच कराने की हो रही तैयारी

विभाग अब कार्यालयों में दलालों की इंट्री रोकने के साथ ही उनकी संपति की जांच ईओयू से कराने की तैयारी में जुट गई है। विभागीय जानकारों ने बताया कि कई दलाल अधिकारियों के रडार पर है। डीपीओ वाले प्रकरण के बाद शिक्षा विभाग ने कड़े तेवर अपनाए है। सूत्रों का कहना है कि अजय व अरबिंद के अलावे कई ऐसे लोग है जिनका शुद्ध व्यवसाय शिक्षा विभाग की दलाली करना ही है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज

डीपीओ से रंगदारी मामले में फरार चल रहे अजय सिंह व तारकेश्वर सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने छापेमारी अभियान तेज कर दिए है। थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार ने बताया कि उनके पैतृक आवास व वर्तमान निवास दोनों जगहों पर छापेमारी की गई है। लेकिन वे फरार हो गए है। थानाध्यक्ष ने कहा कि सभी आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दोनों परिवारों में पूर्व से चला आ रहा था जमीन विवाद, रिटायर्ड फौजी है आरोपी चाचा

रिश्ते का कत्ल : जमीन के लिए चाचा ने भतीजे के सीने में दागी दी दो गोली

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

- आरोपी के घर से रायफल, पिस्टल व गोली बरामद
- घर का होनहार लड़का था पप्पू पाण्डेय, कोर्ट के कागजात देखता था वही

रविवार को सुबह ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जयपुर गांव में जमीन के लिए एक चाचा ने अपने भतीजे के गोली मार मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम दे वह फरार हो गया है। जबकि इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा। इसके बाद पुलिस आरोपी के घर छापेमारी अभियान भी चालाई। जिसमें उसके घर से 315 बोर का एक रायफल, एक पिस्टल, 19 गोली व 45 खोखा बरामद किया है। मृतक पप्पू पांडेय उम्र 26 वर्ष पिता सत्यनारायण पांडेय काफी होनहार था।

बताया जाता है कि रविवार की सुबह लगभग साढ़े छह मृतक प्रतिदिन की तरह दौड़ कर घर पहुंचा उसी समय रिटायर्ड फौजी तारक पाण्डेय ने उसे ताबड़तोड़ दो गोली मार दी। दोनों गोली सीने में लगी। वह जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद चाचा घटना स्थल से भाग निकला। वहीं आनन-फानन में परिजन घायल युवक को अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही ब्रह्मपुर थाना की टीम गांव में पहुंची। जवान बेटे की मौत के बाद पूरा परिवार गहरे सदमे में है। संवाद संप्रेषण तक एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था, जबकि पुलिस आरोपी के एक परिजन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी।

कोर्ट में चल रहा मामला, पैरवी करने जाता था पप्पू : ग्रामीण सूत्रों के अनुसार आरोपी तारक पाण्डेय शुरू से ही बेईमान और आपराधिक प्रवृति का है। उसने सत्यनरायण पाण्डेय के हिस्से की जमीन हड़प ली थी। जिसका कोर्ट में केस चल रहा था। पप्पू होनहार था कोर्ट में तारीख पर वही जाता था। ग्रामीणों की मानें तो कागज में कमजोर होता देख तारक ने भतीजे पप्पू की हत्या कर दी।

आरोपी के घर से मिला हथियारों का जखीरा : ब्रह्मपुर पुलिस ने जब आरोपी तारक पांडेय के घर छापेमारी किया तो उसके घर असलहों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस की मानें तो अभियुक्त घर से 315 बोर की एक राइफल, एक पिस्टल, 19 गोली व 45 खोखा के साथ ही 4 लाख 10 हजार रुपए नकद बरामद बरामद हुआ है।

आरोपी फरार है, जल्द होगी गिरफ्तारी : इस संबंध में एएसपी राज ने बताया कि जमीन विवाद में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। आरोपी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

विवाह की तैयारी के लिए बाजार करने कोलकाता गए थे पिता, जून में थी बेटे की शादी

बताया जाता है कि मृतक पप्पू पांडेय दो भाइयों में छोटा था तथा उसकी शादी तय हो चुकी थी। पारिवारिक सूत्रों की मानें तो भोजपुर जिले के करनामेपुर ओपी थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में तय हुई थी। दस दिन पहले ही उसकी सगाई हुई थी तथा जून महीने में शादी की तिथि निर्धारित की गई थी। इसको ले परिवार में तैयारियां तेज हो गई थी। मृतक के पिता सत्यनारायण पांडेय शादी के लिए कपड़ा तथ अन्य सामान खरीदने कोलकाता गए थे। रविवार को सुबह उसकी हत्या की खबर मिलते ही पिता वहा से बैरंग लौट रहे है। पप्पू की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। एक झटके में ही शादी की खुशियां मातम में बदल गई है।

एक नजर

रामनवमी को ले शांति समिति की बैठक संपन्न

डुमरांव। आगामी 30 मार्च को आयोजित होने वाले रामनवमी जुलूस की तैयारी जोर शोर से की जा रही है। वही प्रशासन द्वारा भी विधि व्यवस्था का संधारण अभी से किया जा रहा है। रविवार को स्थानीय थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता एसडीएम कुमार पंकज ने किया। बैठक के दौरान श्री महावीरी झंडा पूजा समिति बजरंग दल और प्रशासन के आम सहमति से भव्य शोभा यात्रा के दौरान डीजे नहीं बजाने का निर्णय लिया गया, साथ ही शोभा यात्रा में शामिल झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुति में साउंड बॉक्स के उपयोग पर सहमति बनी। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम ने कमिटी के सदस्यों को रामनवमी पर्व आपसी सौहार्द और शांतिपूर्वक मनाने की अपील करते हुए कमिटी के सदस्यों सहित आमजनों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। जुलूस के दौरान असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और सभी अखाड़ो से जुलूस निर्धारित रूट से ही निकालने को कहा गया। उन्होंने गणमान्य लोगों और समिति के सदस्यों को कानून का पालन व सहयोग देने की अपील की और कहा कि नियम के विरुद्ध चलने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। एएसपी राज ने कहा कि विधि-व्यवस्था बनाये रखने को लेकर सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की जायेगी। मौके पर कार्यपालक पदाधिकारी मनोज कुमार, बीडीओ संतोष कुमार, बिजली एसडीओ राकेश कुमार दुबे, थानाध्यक्ष बिदेष्वर राम के अलावे समिति के गुप्तेश्वर प्रसाद गुरुजी, मनोज केशरी, भगवान जी वर्मा, ब्रह्मा ठाकुर, सुमित गुप्ता, मोहन गुप्ता, दीपक यादव, विनोद केशरी, श्याम जी गुप्ता, राजीव रंजन सिंह, विकास कुमार, नप के प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, उप सहायक बजेंद्र राय, मनोज वर्मा, विजय श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, संटू मित्रा सहित अन्य मौजूद थे।

आवास सहायकों ने जलाया विधायक का पुतला

बक्सर। ग्रामीण आवास सेवा संघ के बैनर तले रविवार को जिलेभर के ग्रामीण आवास सहायकों ने रविवार को बक्सर के वीर कुंवर सिंह चौक पर विधायक रामप्रीत पासवान का पुतला दहन किया। पुतला दहन का यह आयोजन विधायक द्वारा बिहार विधान सभा में ग्रामीण आवास सहायकों के प्रति अशोभनीय टिप्पणी के खिलाफ किया गया था। इसके पहले किला मैदान में ग्रामीण आवास सहायकों की एक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आवास सहायकों के बदौलत ही आवास योजना में बिहार पूरे देश में नंबर वन पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक रामप्रीत को ऐसा नहीं बोलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जबतक वे अपनी बातों को वापस नहीं लेते है तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा। जिला सचिव राजीव कुमार ने कहा कि ग्रामीण आवास सहायक अल्प मानदेय में काम कर बिहार को आवास योजना में एक नंबर के पायदान पर पहुंचा चुके है। बावजूद उनके संबंध में विधायक द्वारा अर्नगल बयान सदन में दिया जा रहा है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वही राजेश कुमार साहु ने कहा कि सभी ग्रामीण आवास सहायक अपनी चट्टानी एकता को कायम रखे है तथा विधायक के बयान वापस लेने तक आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद विधायक के पुतले के साथ जुलूस निकाल सभी ग्रामीण आवास सहायक वीर कुंवर सिंह चौक पहुंचा उसका दहन किए। इस मौके पर उमेश कुमार राणा, राजीव कुमार, मनोज कुमार सिंह, अवधेश कुमार, उमेश कुमार, प्रभाशंकर मिश्र, अजित मिश्र, संदीप सिंह, चंदन मिश्र, किशलय किशोर, किशलय कुमार, सुधीर सिंह, रविरंजन मिश्र, हरेराम प्रसाद, राधेश्याम चौधरी, शेखर पांडेय, अमित मिश्र, संजय कुमार, संजय गुप्ता, राजू कुमार सिंह, मुकेश कुमार पाल, रविन्द्र कुमार, अनिल कुमार, रामाकांत गिरी, अजय कुमार पांडेय, राहुल कुमार, रामअवधेश सिंह, सरोज कुमार सिंह के साथ ही सभी आवास सहायक, पर्यवेक्षक व लेखापाल मौजूद थे।

वामन चेतना मंच के नगर अध्यक्ष बने कमलाकर

बक्सर। रविवार को चीनी मिल में स्थित प्रधान कार्यालय में भगवान वामन चेतना मंच की बैठक हुई। बैठक में कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित हुए। जिसकी अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी व संचालन संजय ओझा के द्वारा किया गया। जिसमें आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। जिले में वामन मंच का विस्तार भी किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से नगर अध्यक्ष कमलाकर ओझा एवं नगर कोषाध्यक्ष आशुतोष चतुवेर्दी को बनाया गया। वहीं सर्वसम्मति से 22 मार्च को वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाने को लेकर निर्णय लिया गया। वर्ष प्रतिपदा के पूर्व संध्या पर 21 मार्च को शिक्षक कॉलोनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वही 22 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर रामरेखा घाट से नाथ बाबा मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे। मौके पर रजनीकांत उर्फ मुन्ना पाण्डेय, रिकू पाण्डेय, अभिषेक ओझा, संजय चौबे, दयानंद उपाध्याय, प्रकाश पांडेय, प्रमोद चौबे, आनंद पांडेय ,मनोज तिवारी व सरोज तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

एक साल से गायब पंकज की बरामदगी के लिए विधायक ने सदन में उठाए सवाल

डुमरांव। नगर के काली आश्रम रोड निवासी कन्हैया सिंह का 15 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार यूपी के गौतमबुद्ध नगर स्थित नवोदय विद्यालय से 12 अप्रैल 2022 को ही गायब हो गया है। अबतक इसका सुराग नहीं मिल सका है। उसकी खोजबीन में पुलिस भी उदासीन बनी हुई है। हालांकि नवोदय विद्यालय गौतमबुद्धनगर के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार मिश्र ने स्थानीय थाने में उसके गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था। गुमशुदा होने के दौरान पंकज नौवीं क्लास का छात्र था।

पिछले एक साल में पुलिस जब उसे हीं ढूंढ पाई परिजनों ने हर थाकर डुमरांव विधायक से आपबीती सुनाई। विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने इसे गंभीरता से लिया तथा बिहार विधानसभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। सदन में उनके द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद से पुलिस अब उसे खोजने के लिए सक्रिय हो गई है। विधायक ने कहा कि पुलिस उसे बरामद करने के लिए सक्रिय हो गई है। उनके सदन में सवाल उठाए जाने के बाद किशोर के परिजनों में उम्मीद जगी है कि पुलिस उसे जल्दी बरामद कर लेगी।

फ्री मेडिकल कैंप में 40 मरीजों की हुई जांच

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को विश्वामित्र हॉस्पिटल में फ्री मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। जिसमें 30 मरीजों का चेकप किया गया। कैंप हॉस्पिटल के डायरेक्टर डा. राजीव कुमार झा के नेतृत्व में लगा था। हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ. राजीव झा ने बताया कि सुबह दस बजे से शाम तीन बजे तक प्रसिद्ध डाक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। जिसमें डॉ. शालिनी मिश्रा, दांत व चेहरा संबंधित जांच मुंह में कैंसर, मुंह में छाले, कटे-फटे होठ एवं तालु, दांतों में फिलिंग, रूट कैनाल ट्रिटमेंट फिक्स दांत लगवाना, बच्चों के दांत, मुंह खोलने में तकलीफ आदि का जांच किया गया। जिसमें एक महिला रोगी का प्राइमरी माउथ कैंसर डिटेक्ट किया गया। उन्हें उचित सलाह दिया गया।

वहीं डा. वीडी मिश्रा के द्वारा हड्डी एवं रीढ़ रोग संबंधित जांच की गई। डॉ. मिश्रा द्वारा पेन मैनेजमेंट के तहत चंद सेकेंड में ही कुछ रोगियों का दर्द से निजात दिलाया। जबकि डॉ. उदय कांत सिंह के द्वारा दूरबीन विधी से पीत के थैली की पथरी, किडनी पथरी, एपेंडिक्स, हर्निया, पेशाब की थैली में पथरी, प्रोस्टेट, बावासीर, सीने में गांठ, ट्यूमर की जांच की गई। इसके साथ ही मरीजों को उचित इलाज भी बताए गए। डॉ. राजीव झा ने बताया कि डॉ. एसके सिंह चर्म रोग, केस रोग एवं सौन्दर्य रोग विशेषज्ञ बालों का झड़ना, सफेद दाग, मुहासें व सांवलेपन की फ्री कैंप मंगलवार को लगेगा। शुक्रवार को सौरभ कुमार झा मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ का फ्री कैंप अस्पताल में लगेगा। डॉ. सौरभ देश के विभिन्न चर्चित अस्पताल में अपनी सेवा दे चुके है।

उपभोक्ताओं को आरबीआई के नये गाइडलाइन की जानकारी देने के लिए कैशपॉर ने आयोजित की कार्यशाला

लोन दे महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर देती है कैशपॉर माइक्रो क्रेडिट

- कार्यशाल में शामिल हुई सैकड़ों महिला उपभोक्ता

केटी न्यूज/डुमरांव

कार्यशाला में उपस्थित महिला उपभोक्ता

देश की अग्रणी माइक्रो फाइनेंस कंपनी 'कैशपॉर माइक्रो क्रेडिट' ने रविवार को नया भोजुर के निजी लॉज में अपने उपभोक्ताओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया था। जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला उपभोक्ता शामिल हुई।

यह कार्यशाल संस्था द्वारा अपनी सदस्याओं को वित्तीय जागरूकता तथा उनके हितों ब्याज दर, ऋण पर लगने वाले पुरे खर्चों, आचार संहिता एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए आरबीआई द्वारा जारी नए दिशानिदेर्शों के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया था। संस्था द्वारा बताया गया कि कैशपॉर हमेशा से ही गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली सदस्याओं को वित्तीय सहायता के साथ उनके परिवार तथा बच्चों को स्वास्थ एवं शिक्षा की सुविधाएँ भी प्रदान करता है। जिससे सदस्याओं की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ-साथ वह अपने परिवार की बीमारी और बच्चों के शिक्षा पर ध्यान दे सकें। इसका मुख्य उदेश्य है कि कैशपॉर से जुड़ी सदस्याएं अपने जीवनस्तर को ऊपर उठा सकें।

कर्मियों ने बताया कि कैशपॉर प्रति वर्ष ऐसे कार्यशाला का आयोजन करता है। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि ब्रह्मपुर थाने के सब इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार उपस्थित हुए। उन्होंने सदस्याओं को महिला सशक्तिकरण की जानकारी देने के साथ ही साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरुक किया। इसके पहले कार्यशाला का उदघाटन मुख्य अतिथि के साथ ही कैशपॉर के डिप्टी डायरेक्टर ऑपरेशन संजय सिंह, आंचलिक प्रबन्धक अरविंद मिश्र उप आंचलिक प्रबन्धक बंदना सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर डुमरांव प्रखंड के कैशपॉर के विभिन्न शाखाओं से जुड़ी 200 से अधिक महिलाएं उपस्थित थी सभी केंद्र प्रधान एवं सदस्याओं ने भी बराबर का भाग लिया। कैशपॉर करती माइक्रो क्रेडिट ने इस आयोजन में सभी सदस्याओं के जलपान और आने-जाने का भी व्यवस्था किया था। कार्यशाला में शामिल सदस्याओं ने इसे काफी ज्ञानवर्द्धक बताया। बता दें कि कैशपॉर माइक्रो फाइनेंस लंबे समय से ग्रामीण महिलाओं का जिम्मेवार समूह बना उन्हें स्वरोजगार के लिए आसान किस्तो पर लोन देता है। इस आयोजन को सफल बनाने में डिविजनल रिस्क ऑफिसर रूबी तिवारी, क्लस्टर हेड इफैक्ट बिजनेस अभिषेक दुबे, शिवशंकर मौर्या, एरिया रिस्क ऑपरेशन सूर्यप्रताप सिंह, शाखा प्रबंधक बृजेश कुमार स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवा विभाग के आदर्श श्रीवास्तव, मंदीप सिंह, ऑडिटर सूरज यादव तथा सभी केंद्र प्रबन्धकों का बहुमूल्य सहयोग रहा।

खबरें फटाफट

अवैध तमंचा संग अभियुक्त गिरफ्तार

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के कामूपुर गांव के पास से रविवार की सुबह पुलिस ने अबैध तमंचा व कारतूस संग बददोपुर गांव निवासी धनंजय यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के जरिए गश्त करते समय सूचना मिली कि बददोपुर गांव निवासी धनंजय यादव पुत्र राधा कृष्ण यादव कामूपुर गांव के पास किसी घटना को अंजाम देने जा रहा है। सूचना मिलते ही एलर्ट पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। पुलिस को देख अपराधी खेतों की तरफ भागने लगा, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर अभियुक्त को पकड़ लिया। जमा तलाशी में पुलिस ने उसके पास एक तमंचा 315 बोर व एक कारतूस बरामद कर लिया। उधर गिरफ्तार करने वाली टीम मे थानाध्यक्ष विश्वनाथ एसआई सुरेश कुमार मौर्य कांस्टेबल सुरज कुमार सूरज पांडेय रहे।

ग्रामीण पत्रकारों की बैठक संपन्न

गाजीपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक रविवार की दोपहर में मिश्र बाजार स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष मुन्नीलाल पांडेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्ष मुन्नीलाल पांडेय ने अपने सम्बोधन में सभी तहसील अध्यक्षों से नये सत्र के लिए सदस्यता अभियान की जानकारी लेते हुए तहसील इकाई का पुनर्गठन करके अतिशीघ्र देने की बात कही। ताकि इस सूची को प्रदेश मुख्यालय समय से भेज दिया जाय। जिला प्रवक्ता विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने सभी तहसील अध्यक्षों से संगठन को मजबूत करने तथा अच्छे पत्रकारों को जोड़कर पर संगठन के विस्तार पर बल दिया। मौके पर जनपद इकाई के पदाधिकारी व सभी तहसीलों के अध्यक्ष, संगठन के मंत्री व पदाधिकारी समेत अधिकांश सदस्य मौजूद रहे। बैठक में कुछ तहसील के सदस्यों का नये सत्र के पहचान पत्र का वितरण भी किया गया।बैठक का संचालन जिला महामंत्री संगठन रविन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

सड़क दुर्घटना में दो युवक जख्मी

बलिया। रविवार को हाईवे 31 पर प्रसाद छपरा ढाला के पास रविवार को सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में ग्रामीणों ने घायलों को सीएचसी सोनवरषा पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रविवार को एनएच 31 पर प्रसाद छपरा ढाला के पास सड़क पर खून से लथपथ दो युवक बेहोशी की हालत में पड़े मिले। घायलों के बगल में बाइक गिरी हुई थी। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा पहुंचाया। उनकी जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उनकी पहचान राहुल गोंड 25 वर्ष निवासी नेवरी और देवेंद्र वर्मा 22 साल भृगु आश्रम बलिया के रूप में हुई।

बेहतर कार्य करने वाली महिलाएं सम्मानित

गाजीपुर। भाजपा महिला मोर्चा ने सुषमा स्वराज अवार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रदेश कार्य समिति महिला मोर्चा की सदस्य रुद्रा पांडेय ने कहा कि महिलाओं ने सदैव पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर देश और परिवार के लिए समर्पित संघर्ष किया। जब कहीं भी त्याग और बलिदान कि आवश्यकता हुई। उसमें पहली आहुति महिलाओं ने दिया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार ने महिलाओं के उत्थान और सम्मान के लिए लगातार कार्य हो रहे हैं। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने कहा कि सुषमा स्वराज के सपनों के प्रति कार्य करते हुए आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सिर्फ महिलाओं का सम्मान ही नहीं बढ़ा है। बल्कि उनके प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

जिले के सब स्टेशनों से विद्युत आपूर्ति का कार्य जल्द होगा प्रारम्भ : जिलाधिकारी

केटी न्यूज/गाजीपुर

- गाजीपुर में 220 केवीए के दो पावर स्टेशनों में तलवल तथा दूसरा पावर स्टेशन तहसील में स्थापित
- आठ मार्च तक 80% सब स्टेशनों में आयी तकनीकी खराबी

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में विद्युत वितरण के संबंध में प्रेस कांफिन्स की। प्रेस वार्ता में बताया कि जनपद में 220 केवीए के 02 पावर स्टेशन है, जिसमें एक पाव स्टेशन ग्राम तलवल में तथा दूसरा पावर स्टेशन तहसील सेवराई के भदौरा में स्थित है, जो कि चालू हालत में है। उन्होंने बताया कि 132 केवीए के कुल 06 पावर स्टेशन हैं, जो चालू हालत में है। 132 केवीए का पावर स्टेशन- अंधऊ, सैदपुर, सादात, कासिमाबाद, जमानियां, कुण्डेसर में स्थित है। 33/11 केवीए के कुल 70 सब -स्टेशन स्थित है। जिसमें आठ मार्च तक 80 प्रतिशत सब स्टेशनों में आयी तकनीकी खराबी को चिन्हित कर उसकी मरम्मत कराते हुए क्रियाशील करा लिया गया है।18 मार्च की सायंकाल 08:00 बजे के पश्चात जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में आई।

वहीं, दूसरी ओर आंधी एवं बारिश की वजह से कुल सब स्टेशनों में तकनीकी खराबी होने के कारण सब- स्टेशन में प्रवाहित होने वाली विद्युत लाइन बन्द हो

गई। जिसे 3.2023 को अपरान्ह 12:00 बजे तक संविदा के लाइन मैनों के माध्यम से पेट्रोलिंग करके चिन्हित करते हुए मरम्मत कराकर क्रियाशील किए जाने की कार्रवाई चल रही है। यथाशीघ्र प्रभावित सब स्टेशनों से भी विद्युत आपूर्ति का कार्य प्रारम्भ हो जाएगी। जनपद में कुल 26 प्राइवेट फर्म से 280 एसएसओ/टेक्निकल मैनपावर लगाये गये हैं, जिसमें भारत इण्टर प्राइवंजेज फर्म से कुल 70 एसएसओ तथा 25 फर्मों से कुल 210 टेक्निकल मैनपावर लगाये गये हैं, जो समस्त प्रकार के पावर स्टेशनों पर कार्य कर रहे हैं। भारत इण्टर प्राइजेज, सर्वश्री नमन इण्टर प्राइजेज आमघाट, मेसर्स-पाठ इलेक्ट्रिक इण्टर प्राइजेज बंशीबाजार, रामनरायन इलेक्ट्रिकल ग्राम घोघवां, स्वास्तिक इटर प्राइजेज लौवाडीह, नवाज, वैष्णवी टेक्नो कन्स्ट्रक्शन, ग्राम व पोस्ट टोडरपुर, मान्टेकार्लो, श्री साईं इंजीनियरिंग वर्क्स आदि फर्म लगाये गये हैं।

20 कार्मिकों के विरूद्ध 20 एफएफआर दर्ज

उन्होंने बताया कि अबतक कुल 20 कार्मिकों के विरूद्ध 20 एफएफआर दर्ज कराये गये हैं। इसमें से आठ एसएसओ और 12 लाईनमैन के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया है। इसके साथ ही कुल 164 कार्मिकों को बर्खास्त कर दिया गया है। कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम की स्थापित किया गया है, जो 24 घण्टे संचालित है। कंट्रोल रूम में अब तक 202 शिकायतें दर्ज करायी गयी हैं। सभी दर्ज शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। कंट्रोल रूम में स्थापित टेलीफोन का नम्बर-0548-2224041 है। नगर में जलापूर्ति के लिए 09 जनरेटर लगाये गए हैं।

राज्यसभा सांसद बोले, सरकार के बजट से विपक्षियों के मुंह पर लग गया ताला

अमेरिका की आबादी से अधिक लोगों को सरकार ने दिया मुफ्त स्वास्थ्य बीमा

केटी न्यूज/बलिया

राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि देश किस तरह आगे बढ़े, इसके लिए प्रधानमंत्री हर योजना को बना रहे हैं। कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में ही अगर एक छोटा सा उदाहरण देखा जाए तो जितना अमेरिका की आबादी नहीं है। उससे अधिक लगभग 50 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रूपए के इलाज की व्यवस्था आयुष्मान योजना के तहत कार्ड निर्गत तक मुफ्त इलाज प्रदान करने का काम केंद्र सरकार ने किया है। इसके अतिरिक्त सस्ती जेनरिक दवाएं आम जनता को सुलभ कराने के लिए पूरे देश में पांच हजार जनऔषधि केंद्र प्रधानमंत्री ने खुलवा दिया है।

इन जनऔषधि केंद्र पर एक तिहाई दामों पर जेनरिक दवाइयां आम लोगों के लिए उपलब्ध होती है। अन्यथा इलाज के दौरान दवाइयां खरीदने में घर के घर बर्बाद हो जाया करते थे। श्री नीरज शेखर चितबड़ागांव शक्ति केंद्र के रामशाला चबूतरे पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के

राज्यसभा सांसद ने चितबड़ागांव शक्ति केंद्र के रामशाला चबूतरे पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के अभिषाषण पर किया संवाद

अभिषाषण पर कार्यकताओं और आम लोगों के बीच संवाद कर रहे थे।

कहा कि प्रधानमंत्री की योजनाओं और नीतियों की बदौलत देश का सम्मान विदेशों में बढ़ रहा है। यह ऐसे ही नहीं बल्कि प्रधामंत्री के आठ वर्षों के कार्यकाल का नतीजा है। अब प्रधानमंत्री ने तय किया है कि अगले 25 साल में देश विश्व का नंबर एक देश बनेगा। जब कभी स्वास्थ्य शिक्षा और लोगों की खुशहाली की रैंकिंग होगी तो आने वाले 25 वर्षों बाद भारत एक ऐसी देश के रूप में जाना जाएगा, जहां सरकार पूरी तरह से अपने लोगों को मूलभूत सुविधा संपन्न बना चुकी होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार इस तरह का लक्ष्य बनाकर काम करना शुरू की है। कहा कि पहली बार ऐसा बजट आया जिस पर विपक्षी कुछ भी नहीं बोल पाए। यहां तक की लेफ्ट के लोग तक मुखालफत नहीं कर पाए। जबकि पूर्व में बजट पर विपक्ष खूब शोरशराबा मचाता था। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू, जिला मंत्री अरूण कुमार सिंह बंटू, अमरजीत सिंह, बृजकुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष मोतीचंद्र, वंशनारायण राय, विवेक सिंह, जिला पंचायत सदस्य मानवेंद्र विक्रम सिंह, भैया सिद्धार्थ शंकर सिंह गोलू, धर्मवीर सिंह, अमित गिरी, अदालत सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन भाजपा नेता अंजनी राय ने किया।

अब भारत में आता है सर्वाधिक विदेशी मुद्रा

राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि कोरोना काल के बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस कदर चरमराई है कि वहां विदेशी मुद्रा भंडार दो से तीन मिलियन डॉलर के बीच रह गया है। जबकि सौ मिलियन डॉलर प्रति वर्ष विदेशों में काम करने वाले भारतीय नागरिक अपने घरों को भेजते हैं। जो पूरे विश्व में इस समय नंबर वन पर है। इस मामले में पहले नंबर पर चाइना था। इस उपलब्धि के पीछे भी केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के आठ वर्षों की योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्य है।

नीतियों की बदौलत मोदी है ग्लोबल लीडर

विश्व में पालिटिकल लीडर्स की रैंकिंग हो रही है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नंबर वन के नेता लोगों की राय में माने जा रहे हैं। रैंकिंग में उन्हें 78 फीसद अप्रूवल रेटिंग मिल रही है। जबकि दूसरे स्थान पर जिनका नाम आ रहा है उन्हें महज 48 से 50 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिल रही है। यह ऐसे नहीं हुआ है। उन्होंने प्रभावी योजनाएं बनाकर कार्य किया है। इसके पूर्व तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि लाभार्थी तक योजनाओं का 15 प्रतिशत ही धन पहुंच पाता है।

एक नजर

सब-स्टेशन से गायब कर्मचारियों पर केस दर्ज

गाजीपुर। विद्युत कर्मचारियों के सब -स्टेशन से गायब रहने एवं विद्युत आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के ऊपर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जनपद में पिछले 24 घंटे के अंदर दर्जनों कर्मचारियों को एफआईआर दर्ज किया गया है। गहमर के मां कामाख्या धाम उपकेंद्र पर तैनात दो संविदा कर्मचारियों के ऊपर गहमर थाने में मुकदमा दर्ज किए जाने के पश्चात अब भदौरा उपकेंद्र पर तैनात एक कर्मचारी के ऊपर मुकदमा

पंजीकृत किया गया है। अब तक गहमर थाने में कुल तीन कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बिजली कर्मियों के 72 घंटे के सांकेतिक हड़ताल के बाद सभी उप केंद्र पर तैनात एसएसओ एवं अन्य संविदा कर्मचारी उप केंद्र छोड़कर फरार हो गए हैं जिसके कारण इन सब स्टेशनो से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार कौशल चौरसिया ने गहमर थाने में संविदा कर्मचारी महेंद्र राम पुत्र राम निवास राम ढडियाहर बस्ती गहमर एवं शंभू राम पुत्र हृदय राम निवासी बसूका के ऊपर तहरीर देते हुए धारा 3/4 उत्तर प्रदेश अनिवार्य सेवा रखरखाव अधिनियम 1966 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। शनिवार को भी भदौरा उपकेन्द्र से फरार गोल्डन कुमार राणा पुत्र ओसियर राम के खिलाफ एस्मा एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।इस संबंध में कोतवाल पवन उपाध्याय ने बताया कि ड्यूटी से नदारद रहने पर माँ कामाख्या धाम उपकेंद्र से दो और भदौरा उपकेन्द्र से एक कर्मचारी के उपर एस्मा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मनबढ़ों ने हमला कर युवक को किया घायल

गाजीपुर। गहमर कोतवाली क्षेत्र के बारा गांव में खेत से घर लौट रहे युवक को मनबढ़ों ने हॉकी- डंडे और रॉड से हमला कर घायल कर दिया। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों ने पीड़ित युवक को थाने लाकर नामजद तहरीर दी। जानकारी के मुताबिक बारा गांव के रौजा मुहल्ला निवासी फुरकान पुत्र मुहसिन खान ने गहमर थाने में तहरीर दिया कि वह शनिवार की दोपहर अपने खेत से घर लौट रहा था कि बीच रास्ते मे खड़े मुर्राफ पुत्र शमीम खान, नेहाल पुत्र नसीम, शाकिब पुत्र शौकत और अरमान पुत्र समीम ने उसकी बाइक रोकवा ली और उसे लाठी डंडों एवं धारदार हथियार से मारने पीटने लगे। जिससे उसके सर एवं हाथ में गम्भीर चोट आई है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में कोतवाल पवन कुमार उपाध्याय ने बताया की पीड़ित द्वारा तहरीर मिली है। दोषियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दो दिवसीय जनपदीय रोवर्स रेंजर्स रैली का आगाज

बलिया। शहर के श्री मुरली मनोहर टाउन स्नाकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय जनपदीय रोवर्स रेंजर्स रैली का आगाज हुआ। मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने रविवार को मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम के शुभारंभ किया। मेजबानी कर रहे टाउन महाविद्यालय की रोवर्स -रेंजर्स टीम की अगुआई में विभिन्न महाविद्यालयों से जुटी टीमों ने मार्च पास्ट कर स्काउट झंडे व मुख्य अतिथि को सलामी दी। साथ ही संगीत विभाग के छात्रों ने सरस्वती वंदना, स्वागत व कुलगीत प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त रोवर्स रेंजर्स ने नाइट स्काउटिंग, क्रू टीम इन काउंसिल, कलर पार्टी आदि का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि कुलपति कल्पलता पांडेय ने रोवर्स रेंजर्स टीम का उत्साहवर्धन करते हुए अपनी संचित ऊर्जा का उपयोग समाज हित में करने पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.रवीन्द्रनाथ मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों का विकास पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेकर हो सकता है।

बुद्धिहीन हो चुके राहुल गांधी व अखिलेश यादव

बलिया। गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव को बुद्धिहीन बता दिया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को 2024 का लोकसभा चुनाव हारते हुए दिख रहा है। इस दौरान उन्होंने यूपी में का बा गाने वाली लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को यूपी में सब बा गाकर जवाब भी दिया। कहा कि वह बलिया की धरती पर आकर बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। शनिवार देर शाम सहतवार नगर पंचायत में आयोजित होली मिलन समारोह में पहुंचे सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव के लिए कहा ये लोग बुद्धिहीन हो चुकल बाड़न। 24 और 29 लोकसभा चुनाव हारते हुए दिख रहा है। इन लोगों को 15-20 सालों के लिए हिमालय पर चले जाना चाहिए। सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश जी को आत्मचिंतन की सख्त जरूरत है। राहुल बाबू विदेश में जाकर हमारे भारत का गला घोट रहे हैं। रवि किशन ने आगे कहा कि आज विश्व के नेता भारत के प्रधानमंत्री की तारीफ कर रहे हैं। लेकिन राहुल जी वो काम कर रहे हैं, जिसको देश द्रोह कह सकते हैं।

बिजली देख लोगों के चेहरों पर आई खुशी, सुचारू हुई आपूर्ति व्यवस्था

केटी न्यूज/बलिया

सूबे में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो गई है। संघर्ष समिति ने एक दिन पहले ही कार्य वहिष्कार आंदोलन को वापस ले लिया है। ऊर्जा मंत्री ने संघर्ष समिति के पदाधिकारियों से भी कहा है कि प्रदेश में जहां कहीं भी विद्युत आपूर्ति बाधित हो, उसे शीघ्र संचालित किया जाए और जो भी कर्मचारी कार्यस्थल पर न हो, वह कार्यस्थल पर जाकर अपनी ड्यूटी करें। यूपी में जारी बिजलीकर्मियों की हड़ताल आज खत्म कर दिया गया है।

संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने हड़ताल आंदोलन को वापस लेने का ऐलान किया। 72 घंटे से अधिक समय तक चली आंदोलन से जनता परेशान थी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और बिजली कर्मचारी नेताओं के बीच तीसरे राउंड की बैठक में बात बनी। सरकार ने जो 3000 लोगों को निकाला था, 22 लोगों पर एस्मा और 29 लोगों पर एफआईआर कराया गया था, ये सब सरकार वापस लेगी। शनिवार की रात सरकार और कर्मचारी नेताओं के बीच बातचीत बेनतीजा रही थी लेकिन रविवार को जब कर्मचारी नेता एक बार फिर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और चेयरमैन एम देवराज के साथ बैठै तो काफी सकारात्मक ढंग से बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद बिजली कर्मचारी नेताओं ने हड़ताल खत्म करने की घोषणा कर दी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार पहले भी बातचीत के लिए तैयार थी। आज की वार्ता सकारात्मक रही है। यह आश्वासन भी दिया कि हड़ताल के दौरान कर्मचारियों पर हुई कार्यवाही को विधिक तरीके से वापस लिया जाएगा।

प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव में जीत का झंडा गाड़ेगी मजलिस : शमीम खान

केटी न्यूज/बलिया

एआईएमआईएम पार्टी के कार्यालय सिकंदरपुर का उद्घाटन प्रदेश संयुक्त सचिव व बलिया, मऊ, गाजीपुर के चुनाव प्रभारी मोहम्मद शमीम खान व जिला अध्यक्ष बलिया राकेश कुमार गुप्ता के हाथों संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश सचिव बलिया, मऊ, गाजीपुर के चुनाव प्रभारी मोहम्मद शमीम खान ने कहा कि बड़े पैमाने पर लोगों का जन समर्थन मिल रहा है। निकाय चुनाव में पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और फतेह का झंडा गाड़ेगी। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कोई भी पार्टी गरीब, शोषित, वंचित की आवाज नहीं उठा रही है, पूरे देश में अगर कोई गरीबों, किसानों, मजदूरों,

नौजवानों, बेरोजगारों की बात कर रहा है तो केवल बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब हैं। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी मोहम्मद नसीम खान, प्रमुख जिला महासचिव महताब आलम, जिला सचिव खुर्शीद अहमद, विधानसभा प्रभारी गुलाम अहमद रजा, मास्टर इस्लाम खान, इम्तियाज अहमद, कमरुद्दीन अहमद, मोहम्मद बदरुद्दीन अंसारी, इमरान अंसारी, सगीर आलम, परवेज आलम, हामिद रजा, राम कुमार राजभर, त्रिभुवन राम इत्यादि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ खान व संचालन विधानसभा सचिव मोहम्मद कैफ खान ने किया।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयास पर शासन ने दी वित्तीय व प्रशासकीय स्वीकृति

पर्यटन विकास के लिए 304 लाख की परियोजना स्वीकृत

केटी न्यूज/बलिया

प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयास पर शासन ने जिले में पर्यटन विकास से जुड़ी 304 लाख रुपए की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है।

तीनों परियोजनाओं में विकास खंड बांसडीह में वीर कुंवर सिंह के नाम पर शहीद स्मारक का निर्माण व पराशर मुनि आश्रम तथा बैरिया के मिल्कीपुर स्थित महाराज बाबा के स्थान के पर्यटन विकास व सौंदर्यीकरण की स्वीकृति मिली है। तीनों कार्यों के लिए शासन ने प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति देने के साथ ही उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड को कार्यदायी संस्था के तौर पर नामित भी कर दिया है।

विकास कार्य का हर एक वादा करेंगे पूरा: दयाशंकर सिंह

परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि शासन ने तीनों कार्यों को मंजूरी देकर जनपद में विकास को बढ़ावा देने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। महान सेनानी वीर कुंवर सिंह का भव्य स्मारक बनाना मेरी प्राथमिकता में था। पराशर मुनि का आश्रम व महाराज बाबा के स्थान के कायाकल्प से पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। कहा कि जिले के विकास को लेकर जो भी वादे किए गए हैं उसे पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ा जाएगा।

शासन ने इसके लिए महानिदेशक पर्यटन को पत्र जारी कर तीनों परियोजनाओं पर तत्काल कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं। तीनों कार्यों में वीरवर कुंवर सिंह के बनने वाले शहीद स्मारक के लिए कुल 86.57 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें 40 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा पराशर मुनि आश्रम के सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास के लिए 117.57 लाख का बजट है, जिसमें 50 लाख रुपया जारी कर दिया गया है। इसी तरह महाराज बाबा के स्थान के विकास के लिए 99.57 लाख रुपये का बजट है जिसमें 50 लाख रुपये अवमुक्त हो चुका है। ऐसे में बजट मिलने के बाद अब तीनों विकास कार्यों पर जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। तीनों परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास के अंतर्गत प्रावधानित धनराशि में वित्तीय प्रावधान किया गया है।

खबरें फटाफट

सिमरी-बड़का गांव पथ पर चलना हुआ मुश्किल

सिमरी। बड़का राजपुर-केशोपुर गांव पथ जर्जर हो गया है। जिस कारण दियरांचल की इस महत्वपूर्ण सड़क पर आने जाने में लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि बड़का राजपुर -केशोपुर गांव पथ सिमरी प्रखंड के दियारावासियों के लिए लाइफलाइन सड़क मानी जाती है। जो दियारावासियों को प्रखंड व अनुमंडल मुख्यालय से जोड़ती है। लेकिन पिछले पांच बर्षो से यह सड़क जर्जर हो चुकी है। जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सिमरी-बड़का गांव पथ के ऑक्सफोर्ड कनवेन्ट स्कूल के संचालक रूपेश चौबे, कमलेश यादव, सुनिल राय, रतनेश यादव आदि ने कहा कि सड़क का हाल यह है कि पैदल चलनें में परेशानी होती है वाहन तो चलना दुर हल्कि बारिश हुयी नही कि जलमग्न हो जाती है यह सड़क। बड़का राजपुर - केशोपुर पथ के मरम्मत के लिए कई बार शासन प्रशासन के अधिकारियों से गुहार लगाई गई है। बावजूद सड़क के मरम्मत की दिशा में अब तक कोई प्रयास नहीं किया गया।

रोक के बावजूद भी हो रही गुटखे की बिक्री

डुमरांव। बिहार सरकार द्वारा प्रतिबंधित किये जाने के बावजूद भी अनुमंडल क्षेत्र में गुटखे की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। मुख्यालय सहित क्षेत्र के सभी बाजार में गुमटीनुमा दुकानों पर सरेआम गुटके की बिक्री की जा रही है। अनुमंडल प्रषासन की उदासीनता से क्षेत्र में गुटखे पर प्रतिबंध का निर्देष धरातल पर नहीं उतर सका है। जिससे गुटखा बेचने वालों के मनोबल बढ़े हुये है। बताया जाता है कि डुमरांव के साथ ही नया तथा पुराना भोजपुर में इसकी थोक मंडिया भी है। जहा से गुटके को अनुमंडल के बाजारों में पहुंचाया जाता है।

पशु तस्करों के लिए सेफजोन बना दियारांचल

डुमरांव। दियारांचल के गंगा तटवर्तीय इलाका पशु तस्करों के लिए सेफ जोन बन गया। जिसके कारण पशु क्रूरता का खुलेआम उलंघन हो रहा है। बिहार की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के रास्ते देश के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर पशुओं की तस्करी की जा रही है। इससे क्षेत्रिय पशुपालकों के समक्ष दुधारू मवेशियों की किल्लत उत्पन्न हो गई है। आश्चर्यजनक बात यह है कि पुलिस तस्करों के करनामों से अवगत होने के बावजूद चुप्पी साधे हुए हैं। नतीजन, दियारा का गंगा तटवर्ती इलाका पशु तस्करों के लिए सेफ जोन बनता जा रहा है। यह खेल प्रत्येक वर्ष नवम्बर से शुरू हो कर जुलाई तक चलता है।

चीं-चीं कर आंगन गुलजार करने वाली गौरैया सोशल मिडिया के गुड मॉर्निंग विश तक सीमित

केटी न्यूज/बक्सर

- प्रदूषण के कारण गौरैया समेत कई पक्षियों के अस्तीत्व पर मंडरा रहा खतरा
- मोबाइल टावर से निकलने वाली तरंगें गौरैया की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला

घरों में गौरैया का चहचहाना अब बीते दिन की बात हो गई है। गौरैया घर में इधर-उधर बिखरे अनाज के दाने तो चुगती ही थी, आंगन के कीड़े-मकोड़े भी खाकर साफ कर देती थी। अब यह प्रजाति भी विलुप्ति के कगार पर है। एक समय था जब पेड़ों के ऊपर गौरैयों का जमावड़ा होता था। गर्मियों के दिनों मे उनकी चीं-चीं की आवाज कानों में चुभने सी लग जाती थी, फिर दौड़कर बाहर जाकर उन्हें डरा कर चुप कराना अच्छा लगता था। मां आंगन में चावल पसारे तो गौरैयों का उड़ कर आना। रसोई घर की रोशन दान को घेरे रखना। चावल की फसलों पर अपनी नजरें बनाए रखना। कई ऐसे काम करती थी गौरैया जिससे हम परेशान हो जाते थे। अब यह माहोल है की इस प्रजाती की चिड़िया मुश्किल से देखने को मिलती है। शायद गौरैयों को यह आहसास हो गया था कि हम इंसान उनसे परेशान होते जा रहे हैं, इसलिए उन्होनें अपना ठोर-ठिकाना बदलना ही ठीक समझा। तापमान में लगातार बढ़ोतरी भी गौरैया को हमारे बीच से कम कर रही है। पर्यावरण को सहज बनाते हुए और मानवीय जीवन के साथ गौरैया जैसी चिड़िया का अस्तित्व बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम उनके घोंसलों को संरक्षण दें।

प्रदूषण के कारण पक्षियों के अस्तीत्व खतरा : प्रदूषण के चलते पर्यावरण के संरक्षण में जुटे सिकरौल पूर्व मुखिया विभोर द्विवेदी कहते है पक्षियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। जैसे गिद्ध, नीलकण्ठ तो विलुप्त हो चले हैं। अगर संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो अगले दस सालों में पक्षियों की कई और प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच जाएंगी।

गर्मियों में ऐसे बचाएं गौरैयों को: इस चिलचिलाती गर्मी में जब हम इंसान पानी को तरस जाते हैं तो इन पक्षियों का क्या जो सारा दिन आसमान में उड़ते हैं। गौरैया दिवस के मौके पर मोहल्लों में चिड़ियों के पानी के लिए बर्तन और दाना बांटकर लोगों को जागरुक करें।

मोबाइल टावर से निकलने वाली तरंगों ने प्रजनन क्षमता को किया प्रभावित

इस विषय की जानकारी देते हुए डॉ सहाय ने बताया कि मोबाइल टावर से निकलने वाली तरंगें गौरैया की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही। प्रदूषण की मार ने भी इस चिडिया की चहचहाहट को हमसे दूर कर दिया। पर्यावरणविद ने रिंकू सिंह ने कहा कि गौरैया को बचाना हम इंसानों का कर्त्तव्य है। खेतों में कीटनाशकों का कम प्रयोग, छतों की मुंडेरों पर गौरैया के लिए घोंसला बनाना, छत पर उनके लिए पानी रखना, वायु व ध्वनि प्रदूषण को कम करना, शिकार बंद करना आदि उपायों के जरिये गौरैया की प्रजाति को बचाया जा सकता है। ने बताया कि गौरैया विलुप्त होने के कगार पर है इसका कारण है कि अब गांवों में भी दरवाजे पर अनाज रखने वाले बखार और खलिहान नहीं होते। इस कारण गौरैया को भोजन नहीं मिल पाता। जो अनाज उसे मिलता भी है उसमें अत्यधिक कीटनाशक का प्रयोग किया होता है। उसे खाने से गौरैया मर जाती है। गौरैया के मानव जाति के समीप होने से कई लाभ होते थे।

आहार के अभाव में ये पक्षी मरने को अभिशप्त हो गए

शिक्षाविद् डॉ. रमेश सिंह कहते हैं कि पहले आसमान में गिद्ध व चील मंडराते नजर आती थी। कहीं मरा जानवर फेंका हुआ मिलता था तो काफी संख्या में ये पक्षी इकट्ठे होते और देखते ही देखते मरे जानवर को खाकर सफाया कर देते थे। मगर पर्यावरण प्रदूषण व अपने प्रतिकूल उत्पन्न वातावरण के चलते इनके जीवन पर संकट उत्पन्न हो गया।

गौरैया बन गई इतिहास, इसके जिम्मेदार हम इंसान

अजय कुमार पाण्डेय कहते हैं कि पहले की अपेक्षा गौरैया पक्षी की अबादी में लगभग 60-70 फिसदी की कमी आई है। अगर इनके बचाने का प्रयास नही किया गया तो आने वाले दिनों में इतिहास बन जाएगा। आने वाली पीढ़ियों को देखने को नही मिलेगी। सिर्फ कोई-कोई दादा कहानी सुनाएगे की गौरैया एक चिड़िया थी।

नगर परिषद से गुहार लगा थक चुके है मोहल्लेवासी, आर पार की लड़ाई को अब तैयार

दीवानगंज का बुरा हाल, मुख्य पथ पर जमा है नाले का गंदा पानी; अधिकारी बेपरवाह

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने के लिए डुमरांव नगर परिषद पिछले दो महीनें से विशेष अभियान चला रहा है। लोगों को जागरूक करने के साथ ही शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का स्वांग रचा जा रहा है। लेकिन डुमरांव नगर परिषद कार्यालय से महज 500 मीटर दूर स्थित दीवानगंज मोहल्ले का बुरा हाल हो गया है।

मोहल्ले में जल निकासी के अभाव में मुख्य पथ पर नाले का गंदा पानी जमा हो गया है। जिससे लोगों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। तुर्रा यह कि सरकार जिस दलित वर्ग के उत्थान को प्रमुखता दे रही है, इस मोहल्ले में इसी वर्ग के अधिकतर लोग निवास करते है। जो पिछले छह महीने से नगर परिषद प्रशासन से इस नारकीय स्थिति से छुटकारा दिलाने की गुहार लगा थक चुके है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि जलजमाव के कारण आने जाने में कठिनाई के साथ ही संक्रामक बीमारियों व विषैले जंतुओं का खतरा बना रहता है। मोहल्ले के अमर पासवान ने बताया कि नाली के पानी के साथ ही इस मोहल्ले में सेंट्रल नाला का पानी भी गिर रहा है। जिस कारण यह स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के अधिकारियों के उदासीनता का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जलजमाव के कारण राह चलना भी हुआ दुभर : मोहल्ले के मुख्य सड़क पूरी तरह से जलजमाव से घिर गया है। जिस कारण लोगों को घर से निकलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हाल यह है कि रोड के एक किनारे बने नालियों के स्लैब के सहारे किसी तरह लोग घर से बाहर निकल रहे है। इस मोहल्ले में रविवार को केशव टाइम्स की टीम इस गंभीर समस्या के प्रति मोहल्लेवासियों की प्रतिक्रिया लेन गई थी। मोहल्लेवासियों ने खुलकर अपने दर्द को साझा किया है।

मोहल्लेवासियों की प्रतिक्रियाएं

"मोहल्ले के विजय पासवान की मानें तो नगर परिषद प्रशासन जलजमाव की समस्या के प्रति उदासीन बना हुआ है। जिस कारण इस समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। किसी दिन इसके दुष्परिणाम भुगतना पड़ सकता है।

"मो. अशरफ ने बताया कि पिछले छह महीने से अधिक समय से मोहल्ले में हुए जलजमाव के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। विशेषकर बच्चों व महिलाओं को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

"दुलारचंद पासवान ने बताया नगर परिषद कागजों में ही स्वच्छता अभियान चला रही है। सेंट्रल नाला के मिस मैनजमेंट के चलते शहर का एक बड़ा हिस्सा गंदे पानी से घिर चुका है। जिस कारण महामारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।

"अजय प्रसाद ने बताया इस गंभीर समस्या के प्रति कई बार नगर परिषद के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। बावजूद अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौन साधे हुए है। जल्दी ही मोहल्लेवासी सड़क पर उतर आंदोलन करेंगे।

एक नजर

मुकुन्दपुर गांव को जोड़ने वाली सड़क में जमीन की अनुपलब्धता के कारण होगा निर्माण

सिमरी। सड़क निर्माण का आस लगाये बैठे मुकुंदपुर के ग्रामीणों के लिये खबर उम्मीदों पर पानी फेरने वाला है। मुकुंदपुर के सड़क निर्माण में जमीन की अनुपलब्धता आड़े आई है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा किये गये सर्वेक्षण के बाद विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि रैयती जमीन होने के कारण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा इस सड़क का निर्माण संभव नहीं है। सरकार के निर्देश के आलोक में विभाग ने मुकुंदपुर गांव का दौरा कर सड़क निर्माण की राह में आ रही दिक्कतों का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीण कार्य विभाग के पटना से आई टीम के साथ सहायक अभियंता मौजूद थे। उन्होंने बताया कि सरकार को हालिया रिपोर्ट भेजकर यह सूचित किया जा रहा है कि मुकुंदपुर की सड़क निर्माण के लिये जमीन का अभाव रोड़ा बन रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग के पास भूमि अधिग्रहण का न तो कोई प्रावधान है और न ही इसके लिये राशि है। ऐसे में सरकार इस गांव को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घोषणा के अनुरूप सड़क देने के लिये प्रस्ताव को पीडब्लूडी के समक्ष भेज सकती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 के अक्टूबर माह में पुलिस दमन के कारण सुर्खियों में आये इस गांव को सड़क से जोड़ने के लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2010 में मुकुंदपुर आकर सड़क निर्माण की घोषणा किये थे। तब से यह प्रस्ताव खटाई में पड़ा है और ग्रामीण कयास लगाये बैठे है।

डुमरांव स्टेशन पर यात्री शेड की कमी से धूप में ट्रेनों का इंतजार करते हैं यात्री

डुमरांव। दानापुर रेल मंडल के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन में शुमार डुमरांव रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त यात्री शेड की कमी यात्रियों के लिए भारी पड़ रही है। यात्री शेड की कमी से गर्मी के इस भीषण मौसम में रेल यात्री इस स्टेशन पर पेड़ की छांव व धूप में खड़े हो ट्रेन का इंतजार करते है। जिससे उनके बीमार होने का खतरा बना रहता है। सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि हर मौसम की मार उन्हें सहनी पड़ती है। बताया जाता है कि इस स्टेशन से हर दिन हजारों यात्री यात्रा की शुरूआत करते हैं, लेकिन यात्रियों की संख्या के मुकाबले इस स्टेशन पर यात्री शेड की कमी है। जिससे सभी यात्री शेड में नहीं बैठ पाते है। ट्रेन के इंतजार की मजबूरी में उन्हें हर दिन प्लेटफार्म पर लगे पेड़ व खुले आसमान के नीचे टेज्न आने का इंतजार करना पड़ता है। गर्मी के इस मौसम में उन्हें शेड से बाहर ट्रेन के इंतजार में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दैनिक यात्रियों ने इस स्टेशन पर यात्री शेड की संख्या बढ़ाने की मांग दानापुर मंडल के डीआरएम से की है।

वाहनों में भेड़ बकरी की तरह यात्री वाहनों में ठूसे जा रहे लोग, विभाग मौन

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में धडल्ले से ओवरलोडिग वाहनों का परिचालन हो रहा हैं। ओवरलोडिग परिचालन प्रशासन के आंखों के सामने हो रहा है और प्रशासन देखकर भी कुछ नहीं कर रहा हैं। थाना क्षेत्र सभी हिस्सों में यात्रियों को कहीं पर जाना है तो यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण है कि सवारी गाड़ियों में यात्रियों को ठूस-ठूस कर भरा जा रहा हैं। बसों और सवारी गाड़ियों में यात्रियों को इस तरह से भरा जाता है मानों बोरे में भूसा को भरा जाता हो। परिवहन विभाग ने इस तरह का नियम बनाया है कि गाड़ियों में जितनी सीटें होगी उतने ही यात्री गाड़ी में बैठेगें। लेकिन सारे नियमों को ताक पर रख कर गाड़ियां मजे से ओवरलोडिंग कर रही हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी इन गाड़ियों को इस नजरों से देखते है मानों ये गाड़ी वाले जो भी कर रहे हो वह सही है। क्षेत्रों में चलने वाली गाड़ियों से ज्यादा मात्रा में धुआं निकलता है। जिससे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। परंतु इस ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रही हैं। लोगों का कहना है कि जितनी भी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ रही है, उनमें से अधिकतर गाड़ियों का पंजियन निजी उपयोग के लिये करवाया गया है। लेकिन अधिकतर गाड़ियां सवारी को ढोने का कार्य कर रही हैं। ऐसा नहीं की प्रशासनिक अधिकारियों को इस बात की जानकारी नहीं है, लेकिन सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बिना मेहनत किये आराम से वेतन उठाने की कोशिश में रहते हैं।

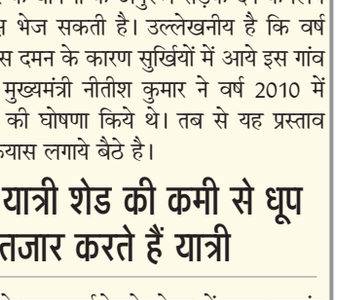

डुमरांव का गौरव कहा जाने वाला सूत मिल अब लोगों के लिए बन गया इतिहास

केटी न्यूज/ डुमरांव

डुमरांव सूत मिल अपने इतिहास बन चुका है। दुख इस बात का कि अपने अस्तित्व का जंग हार रहे इस सूत मिल को अंतिम झणों में बचाने के लिये न तो शासन प्रशासन के कोई हाकिम आगे आये और न ही विकास के दावे कर जनता की तालिया बटोरने वाले किसी सांसद विधायक का इस ओर ध्यान गया। डुमरांव सूत मिल की उपयोगिता सिर्फ इतने से नहीं कि यह बिहार के आद्यौगिक इकाईयों का एक अहम अंग रहा है।

बल्कि इसकी उपयोगिता रोजगार के मामले में अहम रहा थी। करीब एक हजार लोगों को रोजगार से जोड़कर उनकी जीविका को चलाने वाला डुमरांव सूत मिल के बंद हो जाने के बाद सबसे बड़ी समस्या मिल से जुड़े श्रमिकों के दो वक्त की रोटी के जुगाड़ था। डुमरांव सूत मिल का मजबूत मजदूर संगठन के अलावे डुमरांव राज परिवार स्थानीय सामाजिक व बुद्धिजीवी संगठनों की चुप्पी भी मिल के बदहाली का कारण बन गया। वर्ष 1968 में डुमरांव महाराजा व देश के प्रथम लोकसभा सांसद रहे कमल बहादुर सिंह द्वारा स्थापित यह सूत मिल सूबे का इकलौता सूत मिल था तथा बिहार के औद्योगिक मानचित्र में अहम स्थान रखता था। यह मिल न सिर्फ अपने प्रबंधन को भरपूर लाभ देने में सक्षम था बल्कि रोजगार सृजन में इसकी अहम उपयोगिता थी।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण से व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद तथा अनुमंडल प्रशासन के नाक के नीचे अतिक्रमणकारियों ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। प्रशासनिक उदासीनता से अतिक्रमणकारियों का मनोबल किस कदर बढ़ा है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण नगर के स्टेशन रोड में ईदगाह से प्रखंड कार्यालय तक देखने को मिल जाएगा।

मात्र सौ दो सौ मीटर के इस दूरी में ही सड़क का एक चाट पूरी तरह से अतिक्रमणकारियों के गिरफ्त में है। बताया जाता है कि महरौरा मोड़ के पास पहले एक मंदिर के नाम पर कच्चे घर का निर्माण किया गया था। लेकिन पिछले कुछ दिनों में पूरी तरह से चाट की जमीन पर कई लोगों द्वारा अपना आशियाना बसा लिया गया है। सड़क की चाट का उपयोग व्यवसायिक रूप में भी की जा रही है। ताज्जूब की बात है कि अंचल प्रशासन के नाक के नीचे हुए इस अतिक्रमण पर प्रशासन की नजर अब तक नहीं पड़ी है। बता दें कि तीन दिन पूर्व ही प्रशासन द्वारा नया भोजपुर में अभियान चला सरकारी जमीन पर बने घरों को तोड़ा गया था। लेकिन शहर की मुख्य सड़क के किनारे हुए सड़क के चाटों के अतिक्रमण के प्रति प्रशासनिक चुप्पी से व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे है।

मिली सफलता : डुमरांव के युवक ने केन्द्रीय चयन परिषद के द्वारा आयोजित सीजीएल-23 की परीक्षा की पास

नीतीकेश ने सीजीएल की परीक्षा में मारी बाजी, बना कस्टम इंस्पेक्टर

केटी न्यूज/ डुमरांव

- नीतीकेश ने लाया एसएल-1791 रैंक, घर वालों समेत मोहल्ले के लोगों में खुशी
- स्नातक के बाद ही केन्द्रीय उत्पाद निरीक्षक बनने का बना लिया था लक्ष्य

केन्द्रीय चयन परिषद, नई दिल्ली द्वारा देश स्तरीय आयोजित सीजीएल-23 की परीक्षा पास कर जिले के नीतकेश कस्टम इंस्पेक्टर बन गए। इसकी सूचना मिलते ही डुमरांव नगर खुशी की लहर दौड़ गई। नीतीकेश डुमरांव के निमेज टोला निवासी पूर्व वार्ड पार्षद सीमा देवी व लव कुमार बारी के एकलौते बेटे हैं। नीतीकेश ने एसएल-1791 रैंक लाया है।

नीतीकेश अपने मां पिता के पांच संतान में चार बहन के बीच सबसे बड़ा बेटा है। उसने मैट्रिक की परीक्षा वर्ष में स्थानीय राज हाई स्कूल से प्रथम श्रेणी से पास किया था। बाद में पीसी कॉलेज बक्सर से इंटर प्रथम श्रेणी व स्नातक विज्ञान की परीक्षा वर्ष 2015 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद नीतीकेश ने केन्द्रीय उत्पाद निरीक्षक बनने का लक्ष्य बना लिया था।

इसी वजह से केन्द्रीय चयन परिषद, नई दिल्ली द्वारा 2021 में एमटीएस की आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा एवं एसएससी नई दिल्ली द्वारा इंटर स्तर पर आयोजित सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा में उर्तीण होने के बाद आईबी में नौकरी ज्वाइन नहीं किया। नीतीकेश ने बताते है कि उसने स्नातक स्तर पर एसएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा-21 मे भी उर्तीण हो गया। इस प्रतियोगिता परीक्षा में सफल होने के बाद उसने अगस्त 2021 में केन्द्रीय रक्षा मंत्रालय के आसाम स्थित भीस कैंप में रक्षा अधिकारी के पद पर ज्वायन कर लिया। आगे उन्होनें बताया कि इसी बीच सीजीएल की परीक्षा बेहतर अंक से पास होने का रिजल्ट शुक्रवार 17 मार्च को उन्हें मिलते ही वे खुशी से झूम उठे।

कामयाबी में तीन दोस्त की भूमिका अहम

नीतीकेश ने बताया कि बेटा व बेटी के कामयाबी के पीछे मां-पिता व भाई-बहन का हाथ होता है। नीतीकेश के जीवन की कामयाबी में पढ़ाई लिखाई से लेकर बहन की शादी तक उनके तीन दोस्तों की भूमिका अहम रही। बकौल नीतीकेश के दोस्तों में कौशलेश कुमार जायसवाल, विक्कू कुमार शर्मा एवं प्रकाश कुमार द्वारा प्रदत आर्थिक सहयोग के आलावे मध्य विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक संतोष कुमार की प्रेरणा ने उन्हें कामयाबी तक ले गई। साथ ही साए की तरह खड़ा रहने वाली मां व पिता का आर्शिवाद उन्हे आत्मबल पैदा करता रहा है।